दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

तकनीक स्वयं न तो वरदान है और न अभिशाप, उसका उपयोग ही उसका चरित्र तय करता है। जो युवा 'आसान कमाई' के भ्रम में मेहनत से दूर होता है, वह धीरे-धीरे अपनी सोच, सम्मान और भविष्य–तीनों को खो देता है। असली सुरक्षा कानूनों से नहीं, बल्कि जागरूकता और संयम से आती है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-193 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 6 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

डिजिटल लत से जन्म लेता नया अपराध–गांव तक पहुंचती साइबर ठगी की भयावह जड़ें

आज का समय तकनीक और डिजिटल क्रांति का युग माना जाता है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट ने जहां जीवन को आसान बनाया है, वहीं इसी तकनीक ने एक नया और बेहद खतरनाक अपराधी चेहरा भी जन्म दिया है–साइबर ठगी और आर्थिक अपराध। यह अब केवल शहरों या पढ़े-लिखे वर्ग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे गांवों और छोटे कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानसिक संकट का भी गंभीर संकेत है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। आज के युवा, विशेषकर 15 से 28 वर्ष की आयु वर्ग, तेजी से इस डिजिटल जाल में फंसते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर दिखने वाली चमक-दमक, 'आसान पैसे कमाने' के विज्ञापन, गेमिंग एप्स पर मिलने वाले लालच और शॉर्टकट कमाई के सपने–इन सबने मिलकर एक ऐसी मानसिकता पैदा कर दी है, जिसमें मेहनत से ज्यादा तात्कालिक लाभ आकर्षक लगने लगा है। यही मानसिकता धीरे-धीरे अपराध की ओर ले जाती है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि साइबर अपराध अब केवल अपराधियों की संगठित दुनिया तक सीमित नहीं रहा। कई बार सामान्य परिवारों के बच्चे, जो पढ़ाई में अच्छे होते हैं, भी अनजाने में इस जाल में फंस जाते हैं। बैंक अकाउंट किराए पर देना, OTP साझा करना, फर्जी लिंक पर क्लिक करना, ऑनलाइन गेमिंग में पैसे लगाना या 'डबल रिटर्न' के लालच में निवेश करना–ये सभी रास्ते उन्हें अपराध की दुनिया तक ले जाते हैं। एक बार इस रास्ते पर कदम पड़ने के बाद वापस लौटना बेहद कठिन हो जाता है। लॉकडाउन के बाद डिजिटल उपयोग में भारी वृद्धि हुई। ऑनलाइन शिक्षा ने मोबाइल और इंटरनेट को हर घर तक पहुंचा दिया, लेकिन इसके साथ ही जागरूकता की कमी भी सामने आई। गरीब, मजदूर और कम शिक्षित परिवारों में तकनीक का उपयोग तो बढ़ा, लेकिन उसके जोखिमों की समझ नहीं बढ़ी। यही कारण है कि आज कई परिवार अनजाने में साइबर अपराध का शिकार बन रहे हैं, जहां उनके बैंक खाते खाली हो रहे हैं और जीवनभर की कमाई मिनटों में गायब हो जा रही है। एक और गंभीर पहलू यह है कि साइबर अपराध में फंसे कई युवा ऐसे हैं जो कभी अपने स्कूल-कॉलेज में प्रतिभाशाली रहे हैं। लेकिन 'आसान पैसे' की लालच और दिखावटी जीवनशैली की चाह ने उन्हें अपराध के रास्ते पर धकेल दिया। परिणामस्वरूप कई युवा जेलों में अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं, और उनके माता-पिता के सपने टूटकर बिखर रहे हैं। जो बच्चे कभी घर की उम्मीद थे, वे आज परिवार के लिए चिंता और समाज के लिए चेतावनी बन चुके हैं। मोबाइल और इंटरनेट की लत इस समस्या को और गहरा बना रही है। आज बच्चा खेत-खलिहान या खेल के मैदान की बजाय स्क्रीन के सामने अधिक समय बिता रहा है। सोशल मीडिया की चमक, ऑनलाइन गेमिंग की लत और डिजिटल कमाई के भ्रम ने उनके मन में धैर्य और मेहनत की भावना को कमजोर कर दिया है। धीरे-धीरे यह लत मानसिक असंतुलन और आपराधिक प्रवृत्ति की ओर ले जाती है। यह भी समझना जरूरी है कि साइबर अपराध केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की सुरक्षा और आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करता है। एक क्लिक, एक OTP या एक अनजानी लिंक कई परिवारों की जिंदगी बदल सकती है। इसलिए केवल कानून सख्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि डिजिटल शिक्षा और नैतिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। समाधान के रूप में सबसे पहले परिवारों को अपने बच्चों की डिजिटल गतिविधियों पर ध्यान देना होगा। स्कूलों में साइबर सुरक्षा को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल करना होगा। सरकार और प्रशासन को ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने होंगे। साथ ही युवाओं को यह समझाना होगा कि 'जल्दी अमीर बनने का सपना अक्सर सबसे बड़ा धोखा होता है।'

अंततः यह कहा जा सकता है कि तकनीक बुरी नहीं है, लेकिन उसका असंतुलित और अज्ञानतापूर्ण उपयोग विनाशकारी हो सकता है। यदि हम समय रहते नहीं जागे, तो साइबर ठगी की यह अदृश्य आग हर गांव, हर घर और हर परिवार तक पहुंच सकती है। जरूरत इस बात की है कि हम तकनीक को नियंत्रित करें, न कि तकनीक हमें नियंत्रित करे।

नीरज डांगी ने राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन भरा: जीत लगभग तय, कांग्रेस दूसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । कांग्रेस उम्मीदवार नीरज डांगी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। नीरज डांगी ने विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने नामांकन दाखिल किया। नीरज डांगी के नामांकन के वक्त नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद संह डोटासरा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के कई विधायक मौजूद थे। नामांकन के वक्त सचिन पायलट मौजूद नहीं थे। नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार उम्मीदवार बनाया है। नीरज डांगी की जीत तय मानी जा रही है। दरअसल, मौजूदा संख्या बल के हिसाब से बीजेपी को दो और कांग्रेस को एक सीट मिल रही है। एक सीट पर जीत के लिए 51 विधायक चाहिए। कांग्रेस के 67 विधायक हैं, इसलिए एक ही सीट पर जीत के समीकरण हैं। बीजेपी के दो राज्यसभा सीटें जीतने के ही समीकरण हैं। तीसरी सीट के लिए बीजेपी को 35 दूसरे दलों के विधायकों के वोट चाहिए। आरएलडी बीजेपी के साथ है, बीजेपी अगर आठ निर्दलीयों, 2 बसपा, 4 बीटीपी के वोट भी लेने में

कामयाब रहती है तो भी तीसरे उम्मीदवार के लिए 20 विधायकों के वोट कम पड़ेंगे।

डांगी को दूसरा मौका देने में खड़गे की पैरवी

नीरज डांगी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के नजदीक रहे हैं, लेकिन राज्यसभा में जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी उनकी नजदीकी बढ़ी है। बताया जाता है कि खड़गे ने ही नीरज डांगी की पैरवी की जिस वजह से उन्हें लगातार दूसरा मौका मिला है।

रेवदर से तीन बार विधानसभा चुनाव हारे थे नीरज डांगी

नीरज डांगी रेवदर विधानसभा सीट से तीन विधानसभा चुनाव हारे थे। नीरज डांगी कांग्रेस के टिकट पर रेवदर से 2003, 2008 और 2018 के विधानसभा चुनार हारे। यूथ कांग्रेस से राजनीति की शुरुआत करने वाले डांगी संगठन में कई पदों पर रहे। तीन विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद कांग्रेस ने उन्हें 2020 में राज्यसभा भेजा और अब दूसरी बार उन्हें फिर मौका दिया है। नीरज डांगी सियासी परिवार से हैं। नीरज के पिता दिनेशराय डांगी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे, वे विधायक और मंत्री रहे थे।

नीरज डांगी के जरिए दलित वोट बैंक को साधने का प्रयास

नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। डांगी को दूसरी बार मौका देकर कांग्रेस ने परंपरागत दलित वोट बैंक को साधने का प्रयास किया है। डांगी को लगातार दूसरी बार मौका देने के पीछे कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरण साधने के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ स्कूली बच्चों का तीन दिवसीय शिविर

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

सरकारी जिला अस्पताल के पास स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र पर तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर में स्कूली बच्चों को नैतिक मूल्य के बारे में सबसे बड़े एडिक्शन मोबाइल की लत को छुड़ाने के के उपाय बताए गए। शिविर में बच्चों ने मोबाइल ज्यादा नहीं देखने की प्रतिज्ञा की और साथ ही साथ बच्चों को मेडिटेशन भी सिखाया गया। सेवा केंद्र की संचालिका बीके अमृता दीदी ने खेलों के द्वारा बच्चों को प्रेरणा देकर सिखाया कि हमें अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान रखना है और किसी को नहीं देखना है । इस अवसर पर राजयोग का अभ्यास कराया जिससे बच्चों की आंतरिक शक्ति का विकास हो। इस अवसर पर बहन बीके मीनू दीदी और भावना शर्मा ने बच्चों को उमंग उत्साह दिलाने के लिए क्रिएटिव एक्टिविटीज करवाई और डांसिंग सिंगिंग क्राफ्टिंग ड्राइंग का कंपटीशन करवा गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रतिक चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा द्वारा राष्ट्रपति के नाम कलक्टर को सौंपा ज्ञापन

जनगणना के कॉलम में ओबीसी कॉलम नहीं होने से ओबीसी में भारी आक्रोश

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

भारत सरकार द्वारा देश में करवाई जा रही जनगणना के पहले चरण, मकान सूचीकरण में ओबीसी के आंकड़े अलग से दर्ज न करने के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन के तहत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के बैनर तले राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष गोपी जांगिड़ के नेतृत्व में राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर को ज्ञापन सोपा गया।जिलाध्यक्ष जांगिड़ ने बताया कि जनगणना की प्रक्रिया का प्रथम चरण शुरू हो चुका है, जिसमें हाउस लिस्टिंग की प्रक्रिया में पारिवारिक जानकारी में कैटिगरी के संदर्भ में जानकारी है। परिवार किस वर्ग कैटेगरी में है ऐसी जानकारी देना है, लेकिन इसमें केवल तीन ऑप्शन अंकित है एससी, एसटी व अन्य इसमें ओबीसी का कोई ऑप्शन ही नहीं दिया गया है, इससे यह स्पष्ट होता है कि ओबीसी की जाति गणना इस 2027 की राष्ट्रीय जनगणना में नहीं की जा रही है। यह ओबीसी के साथ धोखा है, और आरएसएस के द्वारा प्लानिंग बनाकर यह धोखेबाजी की जा रही है इसलिए हम सब लोग यह मांग करते हैं कि इसमें ओबीसी की आंकड़े भी अलग से सूचीबद्ध करने के लिए ओबीसी का ऑप्शन दिया जाए। ताकि ओबीसी के साथ भी न्याय हो सके। पहले चरण के लिए इसमें हाउसिंग लिस्टिंग किया जा रहा है इसके लिए एचएलओ नाम का ऐप तैयार किया गया है। इसी ऐप के द्वारा यह जनगणना का कार्य डिजिटल रूप में मोबाइल के माध्यम से किया जाएगा। इस ऐप में जो जानकारी इकट्ठा की जाएगी इसका कोई भौतिक रूप से रिकॉर्ड नहीं होगा और ना हीं यह जानकारी मांगी जाने पर उपलब्ध कराई

जाएगी। इस जानकारी को रिकॉर्ड करने में किसी को कानूनी रूप से जिम्मेदार निर्धारित भी नहीं किया गया है और ना हीं ऐसा किसी से डिक्लेरेशन किया जाएगा।

अगर रिकॉर्ड की गई जानकारी गलत है तो कोई जिम्मेदार ही नहीं होगा। यह पूर्णतया डिजिटल होने के कारण इसके जो परिणाम घोषित होंगे या आंकड़े आएंगे वह बिल्कुल सही है, ऐसा भी नहीं माना और कहा जा सकता है। पूर्णतया डिजिटल होने से इसके आंकड़े की विश्वसनीयता पर संदेह हो सकता है इसलिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा यह मांग करता है कि जनगणना के आंकड़ों की भौतिक सत्यापन की पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाए। जिला अध्यक्ष ने बताया की 31 राज्यों के 625 जिलों में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के माध्यम से यह ज्ञापन पूरे भारत में सभी जिला मुख्यालयों पर दिया जा रहा है,के तहत जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा गया है। माँगे नहीं मानी जाने पर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा आंदोलन के तीसरे चरण में 22 जून को राष्ट्रीयव्यापी रैली प्रदर्शन करेगा। ज्ञापन देने वालों में हरलाल सिंह बड़वासी, ओमप्रकाश सेवदा, महेंद्र सिंह सोथली, मनोज महरानिया, राजवीर सिंह, सुभाष चंद्र, नथमल चोपड़ा, संदीप पाटिल, सत्यनारायण सोनी, जेके महरिया, ज्योति प्रकाश, मनीष मीणा, रोहिताश कर्णावत, अजय वर्मा, कनिका, जोरावर सिंह, मधुसूदन सैनी, सत्य प्रकाश चौधरी, निशांत भार्गव सहित कई लोग शामिल रहें।

वाहिदपुर में जिला कलेक्टर की रात्रि चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं पर मौके पर सुनवाई कर किया निस्तारण

वृक्षारोपण से हुई रात्रि चौपाल की शुरुआत, जिला कलेक्टर ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा विधानसभा क्षेत्र की मंडावा पंचायत समिति अंतर्गत ग्राम पंचायत वाहिदपुर में गुरुवार रात जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। राजकीय विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। चौपाल के दौरान जिला प्रशासन ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग द्वारा वृक्षारोपण के साथ की गई। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संदेश देते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। इसके बाद आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल, सड़क, बरसाती पानी की निकासी, गंदे पानी की समस्या, गौशाला व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक

सुरक्षा पेंशन सहित विभिन्न जनसमस्याएं जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। जिला कलेक्टर ने चौपाल के दौरान एक-एक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कई समस्याओं का तुरंत निस्तारण होने से ग्रामीणों को राहत मिली, जबकि शेष मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। रात्रि चौपाल में प्रशासनिक अधिकारियों की सक्रियता भी देखने को मिली। कार्यक्रम में मंडावा एसडीएम देवीलाल यादव, तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर, एसीईओ रामनिवास, डीएसओ निकिता राठौड़ , सहायक विकास अधिकारी राजेश जानू सहित पशुपालन, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, कृषि, बिजली, चिकित्सा एवं जलदाय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं पर्यावरण बचाने की शपथ दिलाई। उन्होंने आमजन से पानी बचाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं द्वारा पर्यावरण प्रेमी बाबूलाल एसआई का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनू द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए चलाए गए वृक्षारोपण अभियान के दौरान जिलेभर में विगत वर्षों में लगाए गए वृक्षों की उत्कृष्ट देखभाल, संरक्षण एवं संवर्धन करने वाले पर्यावरण प्रेमियों को 'वृक्ष मित्र पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में चिड़ावा ब्लॉक से संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं समाजसेवी एसआई बाबूलाल सैनी को उनके उल्लेखनीय पर्यावरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उनके आवास पर आयोजित नागरिक अभिनंदन एवं सम्मान समारोह में पिलानी ब्लॉक अध्यक्ष देवकरण सैनी के नेतृत्व तथा संस्था के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री की अध्यक्षता में कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधु, पर्यावरण प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं आज जिले में सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में एक नई पहचान स्थापित कर रही है। शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में संस्था द्वारा किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संस्था का प्रत्येक अभियान समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहा है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद एसआई बाबूलाल सैनी ने कहा कि यह सम्मान केवल

उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे चिड़ावा ब्लॉक तथा उन सभी पर्यावरण प्रेमियों का सम्मान है, जो पेड़ों को बचाने और हरियाली बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में और अधिक समर्पण एवं ऊर्जा के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण मानवता की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे पेड़-पौधों का पालन-पोषण अपनी संतान की परवरिश की तरह करें तथा लगाए गए पौधों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी निभाएं। उन्होंने किसान समुदाय से विशेष आग्रह करते हुए अधिक से अधिक फलदार वृक्ष लगाने का आह्वान किया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकें। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प दिलाया गया तथा समाजहित एवं प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत लोगों का उत्साहवर्धन किया गया। उपस्थित लोगों ने संस्था द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण एवं संरक्षण अभियान की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस अवसर पर ओमप्रकाश, अमरसिंह, राधेश्याम, राजेन्द्र, गिरधारी लाल, संजय, मनोज कुमार, कृष्ण कुमार, शीशराम सैनी (बिल्लू), सुनील कुमार, पुष्पेंद्र, काशी राम, बजरंग लाल, यशवर्धन, सुनील कुमार व. अध्यापक, संदीप मावंडिया, नरेश बगड़, दीनदयाल सैनी, बाघसिंह तोमर, रतनलाल सैनी, कैलाश खण्डोलिया सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

रैफल्स विश्वविद्यालय में 'प्रकृति से प्रेरित' थीम पर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस, हुआ वृहद वृक्षारोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना में वैश्विक थीम 'प्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिए' के तहत विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय परिवार ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जिसका उद्देश्य हरित क्षेत्र बढ़ाना और छात्रों में पर्यावरणीय चेतना जगाना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के माननीय अध्यक्ष प्रो. डॉ. राजेन्द्र सिंह सांगवान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना होगा। उन्होंने सभी से अपने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने और हरित व स्वच्छ भविष्य के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना ही नहीं, उन्हें संरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर डीन अकादमिक्स डॉ. दीपक दास, विभिन्न संकायों के डीन, प्राचार्य, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय ने कहा कि वह समय-समय पर ऐसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों और समाज में पर्यावरणीय चेतना का प्रसार करता रहेगा।

हल्दी एवं अदरक
प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण

हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना

हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

सुखाना

हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पक्के फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना

अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

प्रकंदों को रंगना

छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन
से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन

प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन

मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन

एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी

यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण

फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

सेमीलूपर

सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण

मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग

यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण

डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू

कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

सीओ गाइड ने किया कार्य एवं पदभार ग्रहण, जिला मुख्यालय पर हुआ शानदार स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर पर सीओ गाइड आचू मीणा ने सीओ गाइड का पद एवं कार्यभार ग्रहण किया। जिला मुख्यालय सीकर के जिला कोषाधिकारी मामराज शर्मा की मौजूदगी में सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा ने अभिजीत मुहूर्त में कार्य ग्रहण कराया। गौरतलब है कि तत्कालीन सीओ प्रियंका खीचड़ का स्थानांतरण जिला मुख्यालय झुंझुनू हो जाने के कारण 5 सितंबर 2025 से जिला मुख्यालय सीकर पर सीओ गाइड का पद रिक्त था। मुख्यालय की ओर से स्कार्फ, साफा एवं माला पहनकर शानदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस मौके पर ही विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित हुई पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता रेलवे स्टेशन पर चल रहे जल सेवा शिविर एवं जिले में संचालित स्काउटिंग गाइडिंग की गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। स्टेशन पर चल रहे जल सेवा शिविर की ओर से भी नवागंतुक सीओ मैडम का शानदार स्वागत किया गया। सीओ गाइड मीणा को कार्य ग्रहण करवाने आए स्काउट गाइड परिवार टोंक के पदाधिकारियों का भी जिला मुख्यालय की ओर से शानदार स्वागत किया गया। इस मौके पर सीओ स्काउट बसंत कुमार लाटा, सीओ गाइड आचु मीणा, कोषाध्यक्ष मामराज शर्मा, पलसाना एडीसी गाइड एवं प्रिंसिपल डॉ मंजू यादव, स्काउटर राजवीर सिंह यादव, पलसाना सचिव पवन कुमार शर्मा, पूर्व सचिव महेंद्र कुमार पारीक, सचिव देवीलाल जाट,टोंक के सचिव चंद्र प्रकाश कुर्मी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अरनिया माल के स्काउटर शंकर लाल सैनी, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय शोरगरान के धर्मराज चौधरी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ओपन ग्रुप टॉक के स्काउटर संजय मीणा, राजेंद्र प्रसाद जयपुर, सुरज्ञान मीणा, अनिल कुमार मीणा सुगन चंद मीणा सुभाष चंद मीणा श्रवण कुमार मीणा रेंजर लीडर निशा मीना आदि मौजूद थे।

सिंघाना में हरिसिंह सैनी बने 'वृक्ष मित्र', पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान पर हुआ सम्मान

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के अभियान को मिला जनसमर्थन, वृक्षारोपण कर बांटे पौधे

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित वृक्ष मित्र पुरस्कार सम्मान समारोह के अंतर्गत सिंघाना ब्लॉक में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सिंघाना ब्लॉक अध्यक्ष डीपी सैनी के नेतृत्व तथा संस्था के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर हरिसिंह सैनी को 'वृक्ष मित्र पुरस्कार' प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों एवं समाजजनों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा लोगों को पौधे भेंट कर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संकल्प दिलाया। सिंघाना ब्लॉक अध्यक्ष डीपी सैनी ने कहा कि माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं द्वारा जिलेभर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाया जा रहा अभियान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी माध्यम है और संस्था इस दिशा में जनजागरण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में खेतड़ी ब्लॉक अध्यक्ष देवाराम सैनी, संगठन मंत्री बाघसिंह तोमर, दीनदयाल सैनी, कैलाश खंडोलिया, मीडिया प्रभारी नरेश बगड़, महामंत्री रतनलाल सैनी, ब्लॉक महासचिव लक्ष्मण सिंह सैनी, ब्लॉक उपाध्यक्ष धूड़ाराम सैनी, महावीर प्रसाद ठेकेदार, लीलाधर जगदीश प्रसाद, हरि सिंह, बलबीर, रामप्रसाद, सुरेंद्र, दौलत राम, बृजमोहन, पिंटू, राहुल, विशाल, रणजीत, विक्रम, हिमांशु सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।युवा सामाजिक कार्यकर्ता डी पी सैनी ने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर खेत बचाओ अभियान का शुभारंभ, कृषक गोष्ठी में 100 से अधिक किसानों ने लिया भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं खेत बचाओ अभियान के तहत पंचायत समिति बुहाना के सभागार में उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) झुंझुनूं के निर्देशन में एक दिवसीय कृषक गोष्ठी एवं जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के 100 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने भाग लेकर कृषि एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण के साथ हुई। कृषि विभाग झुंझुनूं से पहुंचे कृषि अधिकारी डॉ. प्रवीण भडिया एवं डॉ. प्रमोद कुमार ने पौधे लगाकर किसानों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा खेत बचाओ अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। गोष्ठी के दौरान सहायक कृषि अधिकारी सुनील कुमार ने कृषि विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं अनुदान योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। वहीं पशुपालन विभाग के डॉ. ब्रह्मानंद ने पशुपालकों के लिए संचालित योजनाओं, पशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा विभागीय सुविधाओं के बारे में जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के संबंध में एआईसी प्रतिनिधि सत्यवीर ने किसानों को योजना के लाभ, बीमा प्रक्रिया तथा फसल नुकसान की स्थिति में मिलने वाली सहायता के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में कृषि विभाग बुहाना के कृषि पर्यवेक्षक भजनलाल, शंकरलाल, विक्रम यादव, सुनील कुमार एवं रमेशचंद्र सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। एक दिवसीय आत्मा कृषक गोष्ठी का संचालन बीटीटी कन्वेनर सुनील भास्कर ने किया। गोष्ठी में किसानों को आधुनिक खेती, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण व जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। साथ ही पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए तथा भीषण गर्मी को देखते हुए आवारा पशुओं के लिए पानी की खेली भी रखी गई। कार्यक्रम में पूर्व सांसद संतोष अहलावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पौधारोपण कर प्रकृति के संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाए। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना और उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखना सबसे बड़ा पर्यावरणीय योगदान है।

कार्यक्रम में विकास अधिकारी अशोक कुमार, सीबीईओ वेदप्रकाश रांगेय, नगर पालिका ईओ सुरेन्द्र कुमार, भाजपा नेता विकास भालोठिया, समाजसेवी भरत बोहरा, पूर्व उपप्रधान राजपाल सिंह तंवर, चेयरमैन दशरथ तंवर, विकास शर्मा लोटिया, कृष्ण खान्दवा, अनिल नाड़ियां, महेंद्र सिंह, विधानसभा प्रभारी अध्यक्ष रोहतास फोजदार, सुमित्रा सैन, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली तथा स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। आयोजन के माध्यम से आमजन को जल संरक्षण, वृक्षारोपण और जैव विविधता के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को उपखंड अधिकारी स्वाति झा की अध्यक्षता में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी स्वाति झा ने समस्त विभागों के अधिकारियों को सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पिलानी व सूरजगढ़ ब्लॉक के समस्त अधिकारियों को आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जल भराव, ऊंची सड़कों, खुली नालियों एवं चैंबरों को ढकने के निर्देश दिए तथा एईएन बिजली विभाग को आमजन की शिकायतों के त्वरित निवारण के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम के नेतृत्व में सभी अधिकारियों को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की शपथ दिलाई। इस मौके पर तहसीलदार जयसिंह मीणा, नायाब तहसीलदार हरीश यादव, विकास अधिकारी गणेशाराम जाखड़, सीबीओ बसंता, एसबीओ अनिल शर्मा, पीडब्ल्यूडी एईएन विजेंद्र डूडी, एईएन संदीप बाकोलिया, पीए हरीश जांगिड़, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेन्द्र जिलोवा, सुरेश किरोड़ीवाल, डॉ. मंदरूप काजला, सुमेर मीणा सहित सूरजगढ़ व पिलानी ब्लॉक के समस्त अधिकारी मौजूद रहे।

सीकर में राजेश जोया के समर्थन में उतरे सैकड़ों युवा, मीडिया रिपोर्टिंग पर उठाए सवाल

डाक बंगला से कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और मानहानि पर कार्रवाई की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

नीट स्टूडेंट प्रदीप महीच सुसाइड प्रकरण में समाजसेवी राजेश जोया को लेकर मीडिया में आई कथित भ्रामक रिपोर्टिंग के विरोध में शुक्रवार को सीकर में सैकड़ों युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान डाक बंगला से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर विरोध जताया गया तथा मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर सीकर को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में भीम आर्मी स्टूडेंट फेडरेशन, डीएएसएफआई, भारत मुक्ति मोर्चा, भीम आर्मी सहित कई सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि न्यायालय से दोषमुक्त होने के बावजूद राजेश जोया को कुछ मीडिया रिपोर्ट्स एवं पुलिस बयानों में हत्या सहित 14 मुकदमों का आरोपी बताया गया, जिससे उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचा है। ज्ञापन में मांग की गई कि दोषमुक्त व्यक्ति को आरोपी बताने वाले अधिकारियों एवं भ्रामक खबरें प्रकाशित करने वाले मीडिया माध्यमों की उच्च स्तरीय जांच कर कार्रवाई की जाए। साथ ही हिस्ट्रीशीट खोलने की प्रक्रिया की न्यायिक जांच कराने, दोषमुक्ति से जुड़े दस्तावेज सार्वजनिक करने तथा समाजसेवियों के खिलाफ गलत खबरों पर रोक लगाने की भी मांग की गई। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता रवि मेघवाल ने कहा कि पीड़ितों की मदद करना अपराध नहीं है, लेकिन शांतिपूर्ण आंदोलन करने वालों को दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी दबाव से डरने वाले नहीं हैं और संघर्ष जारी रहेगा।भीम आर्मी जिलाध्यक्ष एडवोकेट जयस्वामी कल्याण ने कहा कि न्यायालय से दोषमुक्त व्यक्ति को आरोपी बताना गंभीर मानहानि है और इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं सोनिया जोया ने कहा कि उनके परिवार के साथ अन्याय हुआ है और जब तक न्याय नहीं मिलेगा, आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में प्रदीप नारायण, महेश बारोठिया, अरविंद वर्मा (डीएएसएफआई), सदर कसम खलिजी, जीतू मेघवंशी, लीलाराम आज़ाद, कृष्ण कटराथल, धर्म सिंह तानाण, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष राकेश गढ़वाल, एडवोकेट विजय चाहिल, एडवोकेट अनिल कूदन, रोशन बरवड़, मनीष पार्षद, सुभाष जोया, विक्की लखन, लेखराज लूनिया, नेमी बलाई, रहीम, प्रभु खीचड़, रमेश नाथावतपूरा, धर्मपाल बाबर सहित दर्जनों महिलाओं समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का हुआ समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सूरजगढ़ पीएमश्री श्रीकृष्ण परिषद् राजकीय बालिका उच्च मा. विद्यालय सूरजगढ़ में शुक्रवार को ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. अनिल शर्मा अनमोल ने वीर वीरांगना को बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएमसी अध्यक्ष सज्जन अग्रवाल, अध्यक्षता संस्था प्रधान सुमन वर्मा ने की। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि मंजू कुमारी ठोलिया रही। प्रधानाचार्य सुमन वर्मा ने बताया कि शिविर प्रभारी मनीषा सैनी के नेतृत्व में 22 मई से शुरू हुए अभिरुचि शिविर में कक्षा 6 से 8 की बेटियों के लिए शैक्षणिक सुदृढीकरण, कला एवं रचनात्मकता तथा खेल एवं शारीरिक शिक्षा संबंधी कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविर में दक्ष प्रशिक्षक के रूप में रामेश्वर लाल बाकोलिया, गुलाब सिंह चेतीवाल, रंभा एवं रितु ने विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षण दिया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सज्जन अग्रवाल के द्वारा समस्त बेटियों को मिठाई व एवं पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अनमोल द्वारा किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नवलगढ़ में पौधारोपण एवं परिंडा अभियान का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को कस्बे के मुरारका गार्डन में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष सुशील पारीक के निर्देशानुसार पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण एवं पक्षियों के लिए परिंडा बांधने का अभियान शुरू किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस सेवादल के अयूब बिलू तथा जिला कांग्रेस कमेटी झुंझुनूं पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष लोकेश जांगिड़ ने पौधारोपण कर एवं पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर अभियान का शुभारंभ किया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है तथा प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। साथ ही गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करना भी मानवता का महत्वपूर्ण दायित्व है। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष सुनील गुर्जर, पार्षद प्रदीप शर्मा, महेंद्र सैनी, अनिल शर्मा, विजय वाल्मीकि, प्रमोद शर्मा, यूथ कांग्रेस के अनिल सैनी, एनएसयूआई विधानसभा अध्यक्ष जयवीर गुजराती, भूपेश पारीक, अख्तर बारुदगरान, छात्र नेता अरुण शर्मा, आदिल खत्री, मनोज गुर्जर, अंकित दाधीच, रामगोपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पक्षियों के लिए परिंडे बांधने की अपील की गई।

एससी-एसटी एक्ट मामलों में पुलिस बेल पर छोड़े जाने पर अंबेडकर समिति ने जताई कड़ी आपत्ति

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना का आरोप, प्रशासनिक कार्रवाई की मांग तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज़ महेंद्रगढ़।

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति (रजिस्टर्ड) ने एससी-एसटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों में आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़े जाने पर गंभीर आपत्ति जताई है। समिति के पूर्व प्रधान एवं वर्तमान प्रधान अमन देवी के पति सुंदरलाल जोरसिया ने इस कार्रवाई को सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना बताते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदाय के हितों की सुरक्षा के लिए बनाए गए एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 18 के स्पष्ट प्रावधानों के बावजूद आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ा जाना गंभीर चिंता का विषय है। इससे समाज में असंतोष और आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

जानकारी के अनुसार, मुकदमा संख्या 7, दिनांक 20 जनवरी 2026, थाना कनीना तथा मुकदमा संख्या 20, दिनांक 6 फरवरी 2026, थाना अटेली में दर्ज मामलों में आरोपियों को डीएसपी कनीना एवं डीएसपी नारनौल मुख्यालय द्वारा पुलिस बेल पर छोड़े जाने का आरोप लगाया गया है। समिति का कहना है कि यह कार्रवाई कानून के प्रावधानों और न्यायालय के आदेशों के विपरीत है। बैठक बुलाने और उच्च स्तर पर शिकायत की तैयारी में सुंदरलाल जोरसिया ने बताया कि इस मुद्दे पर शीघ्र ही डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार, महेंद्रगढ़ में समाज की एक आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजकर पूरे मामले की शिकायत की जाएगी।आवश्यकता पड़ने पर समिति का प्रतिनिधिमंडल व्यक्तिगत रूप से भी मुलाकात करेगा।

कानून के सख्त पालन की मांग

समिति पदाधिकारियों ने कहा कि एससी-एसटी एक्ट का उद्देश्य पीड़ित वर्ग को त्वरित और प्रभावी न्याय दिलाना है, इसलिए इसके प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इस बैठक में भूप सिंह ढाणी फोगाट, मास्टर ताराचंद, हरि सिंह प्रधान, संतलाल खींची, सतीश नंबरदार, धन्नाराम (पूर्व सरपंच), माडूराम खींची सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने सफाई और पक्षी सेवा कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

गोद लिए मार्ग पर चलाया स्वच्छता अभियान, आगामी मानसून में वृहद वृक्षारोपण का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पर्यावरण संरक्षण और जीव दया के संकल्प के साथ 'लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, चिड़ावा' द्वारा बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस उत्साह और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और सदस्यों ने न केवल स्वच्छता का संदेश दिया, बल्कि मूक पक्षियों और बेसहारा पशुओं के लिए दाने-पानी की व्यवस्था भी की। ट्रस्ट द्वारा पूर्व में गोद लिए गए मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए बेसहारा पशुओं के पानी पीने की खेळ (कुंड) और उसके आस-पास के पूरे परिसर की गहन सफाई की गई। पानी की खेळ को पूरी तरह साफ कर स्वच्छ पानी से धोया गया, ताकि वहाँ मक्खी-मच्छर न पनपें और मूक पशुओं को पीने के लिए शुद्ध पानी मिल सकें। भीषण गर्मी से बेहाल पक्षियों को राहत देने के लिए ट्रस्ट द्वारा पूर्व में लगाए गए परिंडों में ठंडे पानी और दाने की पुख्ता व्यवस्था की, ताकि इस तपती धूप में पक्षियों को भोजन-पानी के लिए भटकना न पड़े। इस पुनीत कार्य और सफाई अभियान में ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर श्रमदान किया। इस अवसर पर तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा, सुभाष मिश्रा, मुकेश शर्मा, शक्ति सिंह, पप्पू सोनी, लीलाधर सोनी सहित ट्रस्ट के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाई।

पर्यावरण दिवस मात्र एक दिन का औचित्य नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। ट्रस्ट ने आज से ही वृक्षारोपण अभियान की रूपरेखा तैयार कर ली है। आगामी मानसून सीजन में चिड़ावा क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए बड़े स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा।

- राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया

खुडिया में विधायक काला ने किया नए ट्यूबवैल का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

ग्राम पंचायत खुडिया के मेन चौक में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला के कोटे से स्वीकृत नए ट्यूबवैल का विधिविधान से पूजा-अर्चना के साथ उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि पिलानी विधायक पितराम काला थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि संजय सैनी चिड़ावा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, विनोद काजला पिलानी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व प्रधान निहाल सिंह रणवा, पूर्व प्रधान शेर सिंह जी नेहरा, पूर्व प्रधान मीरा देवी, सुभाष भांबू चिड़ावा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ, मोहन सिंह सरपंच खुडिया, शीशराम धतरवाल सरपंच, विजेंद्र सिंह सरपंच गोवली, रामविलास सैनी आलमपुरा, परमानंद बुडानिया, राजू ठेकेदार, अजय रणवा, रणधीर गोठवाल, अरविंद बाडेटिया थे। ग्राम वासियों ने लंबे समय से पीने के पानी की समस्या का सामना किया था। नए ट्यूबवैल के उद्घाटन से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। पिलानी विधायक पितराम काला एवं पधारे हुए विशिष्ट अतिथियों का ग्रामवासीयों ने साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत किया तथा आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधायक काला ने अपने उदबोधन में कहा कि क्षेत्र में विकास की किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। जहां भी ट्यूबवैल की जरूरत होगी मंजूर कराया जाएगा। पिलानी के लिए कुंभाराम लिफ्ट का कैनाल का कार्य शीघ्र ही शुरू हो जाएगा। कार्यक्रम में प्रताप बलौदा, हरि सिंह शिलायच, अमर सिंह बलौदा, अमीलाल पटवारी, बलराज नारनौलिया, रोहतास नारनोलिया, विश्वाराम नारनोलिया, महावीर नारनोलिया, अशोक नारनोलिया, मंदरूप नारनौलिया, जय सिंह, रामकुमार नारनोलिया, गोपीचंद नारनौलिया समेत अनेक ग्रामीण जन उपस्थित थे।

चिड़ावा में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा नगर मंडल ने पंडित गणेशनारायण मंदिर पार्क में लगाए पौधे

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार शाम 6:00 बजे पंडित गणेशनारायण मंदिर के सामने स्थित पार्क में भाजपा नगर मंडल, चिड़ावा के नेतृत्व में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी पर्यावरण अभियान के तहत 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम की शुरुआत की गई। यह कार्यक्रम भाजपा नेता राजेश दहिया के मुख्य आतिथ्य और अंकित भगेरिया के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ।

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की 'एक पेड़ माँ के नाम' मुहिम न केवल पर्यावरण को शुद्ध बनाएगी, बल्कि यह हमारी मातृशक्ति के प्रति एक अनूठा सम्मान भी है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा मंडल पदाधिकारी मदन डारा, रामचंद्र शर्मा, मोहित तामडायत, गंगाधर सैनी पार्षद,राजेश वर्मा, ख्याति केडिया, रिंकू शर्मा, किशोरीलाल, प्रवीण वर्मा, चंद्रशेखर बगड़ी,राजकुमार गजराज, कवि नगेंद्र सिंह,पवन शर्मा नवहाल, अजय शर्मा, नवीन कुमार, ओमप्रकाश शर्मा, कुलदीप सैनी, अशोक शर्मा, निखिल मावंडिया,राजू मराठा, सुनील टेलर मुकेश जलिंद्रा, मंजीत पार्षद, पीयूष बाछुका, अंकित नायक, मनोज, संतोष सैनी, कपिल कोठारी समेत कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

कस्बे की श्री पंचायत गौशाला में सर्व समाज के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर धार्मिक उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कस्बे के ऐतिहासिक एवं सैकड़ों वर्ष पुराने स्वामी रूपदास मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। मुख्य यजमान प्रदीप हलवाई ने सहपरिवार पूजा-अर्चना कर कथा यज्ञ के सफल आयोजन की कामना की। मंदिर महंत क्रांतिदास महाराज ने मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा को रवाना किया। कलश यात्रा मंदिर परिसर से गाजे-बाजे और धार्मिक जयघोषों के साथ रवाना होकर गांधी चौक, पुराने बस स्टैंड सहित प्रमुख मार्गों से होते हुए कथा स्थल श्री पंचायत गौशाला पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

आयोजकों ने बताया कि सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में मथुरा के प्रसिद्ध कथावाचक गोविंद शरण पांडे श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान कराएंगे। कथा के दौरान प्रतिदिन धार्मिक प्रवचन एवं भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा। कलश यात्रा में बरासिया कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स एवं स्काउट के विद्यार्थियों ने भी अनुशासित ढंग से भाग लेकर आयोजन की गरिमा बढ़ाई। इस अवसर पर श्री पंचायत गौशाला अध्यक्ष बृजलाल गाड़ोदिया, लोकतंत्र सेनानी एवं समाजसेवी सजन अग्रवाल, अग्रवाल सभा अध्यक्ष पालीराम मुंशी, मंत्री राजेश छापड़िया, प्राचार्य डॉ. रवि शर्मा, सुरेश शाह, महेश ड्रोलिया, बाबूलाल डीडवानिया, प्रशांत चौमाल, पवन गुड़गुड़ी, अनूप तुलस्यान, ओमप्रकाश कौशिक, राजेंद्र गहलोत, मनोहर जांगिड़, मनीष शर्मा, गौरव दाधीच, विमल चौहान सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मातेश्वरी शक्ति धाम पचलंगी में किया वृक्षारोपण

भेरू घाटी में लगाया बरगद का पेड़

अमृता देवी के बलिदान को हमेशा याद किया जाएगा- मदनलाल भावरिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के पचलंगी में पहाड़ी पर स्थित मातेश्वरी शक्ति धाम आश्रम के पास भैरू घाटी में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया द्य इस अवसर पर वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्य रूप से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने नए पेड़ लगाने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और टिकाऊ जीवन शैली अपनाने के लिए संकल्प लेने जैसे विशेष कार्यक्रम आयोजित होते हैंद्य विश्व पर्यावरण दिवस के इस अवसर पर अमृता देवी के बलिदान को भी याद किया गया द्य इस अवसर पर वन सुरक्षा एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष मदनलाल भावरिया, सीताराम सेन, बजरंग लाल सेन ,सागर राव ,ओम प्रकाश शर्मा (पुजारी) रोहिताश सैनी बुरास ढहर ,ओम प्रकाश सैनी, पत्रकार ललित शर्मा, यज्ञ सेवा समिति के मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़ आदि मौजूद रहें

डॉ. अंजलि यादव ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत मुंडावर में किया पौधारोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुंडावर भाजपा कार्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। भाजपा प्रवक्ता डॉ. अंजलि यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ यह अभियान प्रकृति, पर्यावरण और मातृत्व के सम्मान का प्रतीक है। इसे जन-जन तक पहुंचाना आज की जरूरत है। डॉ. अंजलि यादव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक वृक्षारोपण करे। सिर्फ पौधे लगाना ही काफी नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक नियमित देखभाल कर सुरक्षित रखना भी जरूरी है। पर्यावरण को बचाकर ही हम आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और हरित भारत के निर्माण का संकल्प लिया। सभी ने मिलकर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बाजीसर में पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गांव बाजीसर स्थित मीणा भवन में सामाजिक कार्यकर्ता अमित मीणा के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाए तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर अमित मीणा ने कहा कि पेड़-पौधों के बिना मानव जीवन की कल्पना संभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति की रक्षा में अपना योगदान दे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और प्रदूषण को देखते हुए पेड़-पौधों का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। भीषण गर्मी में पेड़ हमें शुद्ध हवा और छाया प्रदान करते हैं, जिससे पर्यावरण संतुलित बना रहता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को पौधों की नियमित देखभाल करने और जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। ग्रामीणों ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।इस दौरान बनवारीलाल निर्मल (वरिष्ठ अध्यापक), राकेश निर्मल, अभिषेक नायक, राहुल निर्मल, अरुण कुमार, अभिनव कुमार, रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहें।

पर्यावरण दिवस पर खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी ने किया वृक्षारोपण

आओ हम सब पेड़ लगाकर करें धरती का श्रृंगार- विक्रम असवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे में पर्यावरण दिवस पर जगह-जगह वृक्षारोपण कर धरती को हरा भरा करने का संदेश दिया गया द्य पर्यावरण दिवस के अवसर पर खटीक समाज युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विक्रम कुमार असवाल के नेतृत्व में विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पेड़ पौधे लगाए गए । इस कार्यक्रम में पूर्व पार्षद उम्मेद देवी, मेघराज दायमा, सरदार मल असवाल, संरक्षक वरिष्ठ अध्यापक अशोक दायमा, सदस्य द्वारका प्रसाद असवाल, राजकुमार दायमा, हंसराज असवाल, करण असवाल, कान्हा असवाल, नितिन असवाल, दिव्या दायमा, आनंद खटीक, रोहन दायमा, नव्या दायमा आदि लोग मौजूद रहें

विश्व पर्यावरण दिवस पर जोंनायचा खुर्द में लगी प्राकृतिक खेती पाठशाला, किसानों को दिए सतत खेती के गुर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद् । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत जोंनायचा खुर्द में कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम सरपंच अजीत सिंह ने की। इस दौरान कृषि विभाग के उद्देश्य के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ सतत खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। पाठशाला में सहायक कृषि अधिकारी बलराम सिंह एवं कृषि पर्यवेक्षक बाबूलाल जाट ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती, जैविक खेती, वैज्ञानिक तरीके से खेती, मृदा स्वास्थ्य सुधार और जलवायु अनुकूल तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कारकों को कम करने के लिए नवाचारों का प्रसार किया गया। किसानों को पराली न जलाने, फसल अवशेष प्रबंधन की आधुनिक तकनीक और जलवायु स्मार्ट कृषि अपनाने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में उपसरपंच सुरेश सेठ, पूर्व सरपंच उदयभान, वनखंडी आश्रम से रामदास महाराज, पंचायत समिति सदस्य संजय, आजाद सिंह, कबुल सेठ, राकेश कुमार, महिपाल, रामचंद, गूगलकोटा से करण सिंह एवं अशोक सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कृषि अधिकारियों ने कहा कि रासायनिक खाद के स्थान पर प्राकृतिक और जैविक विधियों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन ले सकते हैं और पर्यावरण को भी बचा सकते हैं।

खैराना गांव में नोकिया स्मार्टपुर केंद्र पर सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ग्राम खैराना में नोकिया सीएसआर परियोजना के अंतर्गत ऋचा संस्था द्वारा संचालित स्मार्टपुर केंद्र पर सामाजिक सुरक्षा एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विकास अधिकारी (पौधा संरक्षण) डॉ. सुधीर यादव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रतिनिधि सुश्री पूजा खींची उपस्थित रहीं।कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रतिनिधि पूजा खींची ने महिलाओं एवं ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने दहेज प्रथा उन्मूलन, 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों के पंजीकरण, बाल विवाह निषेध, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना, आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट), लाडली योजना तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्ष लगाकर दिया जागरूकता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

मोहिनी देवी गोयनका महिला महाविद्यालय में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम और द्वितीय, स्काउट गाइड एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों ने वृक्ष लगाएं और अपने वृक्ष की सुरक्षा की शपथ ली। इस अवसर पर विधिक सेवा समिति लक्ष्मनगढ के अधिकार मित्र श्रवण कुमार भास्कर द्वारा छात्रों को पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण, वन्य जीव संरक्षण और सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं व वृक्षारोपण कार्यक्रमों के संबंध में उपयोगी जानकारी दी गई ।इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अर्चना शर्मा ने छात्राओं को अपने-अपने पेड़ों के संरक्षण की जिम्मेदारी दी गई। जिला प्रशासन सीकर व राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीकर द्वारा रन फॉर एनवायरमेंट में महाविद्यालय की स्काउट गाइड की छात्राओं और स्काउट गाइड लीडर सरिता चौधरी ने सहभागिता दी इसमें माननीय जिला कलेक्टर सीकर आशीष मोदी, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, हिंदुस्तान गाइड ऑर्गेनाइजर सीकर परमेश्वरी वर्मा, एवं ऑर्गेनाइजर स्काउट नकुल मीणा, मनोज बाटड़, डीइओ राकेश लाटा,चंद्रप्रकाश महर्षि आदि उपस्थित थे। जिला कार्यालय सीकर में महाविद्यालय स्काउट रेंजर्स के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही सहभागिता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून 2026 को बाल भारती पब्लिक स्कूल वार्ड 17 में आज जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडावा सीबीईओ पवन कुमार उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता हरिराम दादरवाल अध्यक्ष कुम्हार कर्मचारी एवं सेवा समिति झुंझुनू ने की। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं कर्मचारी मौजूद रहें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभाष बावलिया,पूर्व जिला भाजपा मंत्री संदीप शर्मा शामिल उपस्थित रहे। वही अन्य उपस्थित लोगों में सज्जन लाल शर्मा, कैलाश चंद्र पीपलवा, सत्यनारायण शर्मा, राकेश मीणा तेतरा ,प्रमोद कुमार कटारिया, निशा सनोदिया, मांगेराम दहिया, सजन लाल सैनी, राजेंद्र सनोदीया, प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं स्वच्छता के महत्व पर विचार व्यक्त किए गए। अतिथियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री राजू धनोलिया द्वारा किया गया। अंत में सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

सदर टोहाना की पुलिस चौकी कुलां ने 6.21 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को किया काबू

नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस चौकी कुलां की टीम ने नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए धारसूल कलां निवासी कर्मजीत सिंह पुत्र जरनैल सिंह को 6.21 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस चौकी कुलां प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक जतिन्द्र सिंह ने बताया कि वह अपनी टीम के साथ नशीले पदार्थों की रोकथाम एवं अपराध नियंत्रण के लिए गश्त पर थे। इसी दौरान नन्हेड़ी रोड पर धारसूल कलां के पास एक युवक पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध अवस्था में खेतों की ओर जाने लगा। शक के आधार पर उसे काबू कर पूछताछ की गई, जिसकी पहचान धारसूल कलां निवासी कर्मजीत सिंह पुत्र जरनैल सिंह के रूप में हुई। नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 6.21 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने बरामद हेरोइन को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 94, दिनांक 04.06.2026, धारा 21B/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। आरोपी को काबू कर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है तथा मामले की जांच जारी है।

ऋषिकुल विद्यापीठ में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं पक्षियों के लिए चुग्गा पात्र अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री ऋषिकुल विद्यापीठ में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों द्वारा परिसर में त्रिवेणी सहित विभिन्न छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया तथा पक्षियों के लिए चुग्गा पात्र स्थापित कर दाना एवं पानी की व्यवस्था की गई। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपखण्ड अधिकारी मोहर सिंह मीणा थे जबकि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता मनीष मील, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अधिकारी विद्याधर शर्मा, भाजपा जिला प्रवक्ता जयप्रकाश सरावगी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी कमलेश शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया।अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखना वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण अपनाने तथा प्रकृति एवं पक्षियों के प्रति संवेदनशील रहने का आह्वान किया।संस्था प्रधान डॉ. रेखा शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. डिम्पल व्यास, व्याख्याता मंजू तिवाड़ी, डॉ. मीना रॉयल, पीटीआई बनवारीलाल मील एवं सुनीता सैनी सहित महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ तथा बी.एड. प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। साथ ही स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधारोपण एवं पक्षी संरक्षण अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'रन फॉर एनवायरनमेंट' और साइकिल रैली, उद्योगों ने भी दिया साथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.कोटपूतली-बहरोड़।

रमेशचंद । विश्व पर्यावरण दिवस-2026 एवं वंदे गंगा अभियान के अवसर पर जिले में पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को लेकर बड़े स्तर पर जन- जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जिला प्रशासन कोटपूतली-बहरोड़ और जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में पूरे जिले में विभिन्न गतिविधियां हुईं। नीमराना में 'रन फॉर एनवायरनमेंट' मैराथन और साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्थानीय नागरिकों, स्कूली विद्यार्थियों, उद्योग प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। रैली का उद्देश्य युवाओं और आमजन को पर्यावरण बचाने के प्रति जागरूक करना रहा। इसके साथ ही जिले भर में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया और पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण व स्वच्छता से जुड़ी सूचना, संचार एवं शिक्षा (द्बष्टश्व) गतिविधियां आयोजित की गईं। जागरूकता बढ़ाने के लिए कोटपूतली, बहरोड़ और नीमराना में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। नाटकों के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के नुकसान, जल बचाने के उपाय और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लोगों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम में हीरो, डाइकिन, काई, बारमाल्ट, इमर्ज ग्लास सहित जिले की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों ने सक्रिय सहयोग किया। उद्योगों ने आमजन को कपड़े के थैले यानी कॉटन बैग्स वितरित कर एकल-उपयोग प्लास्टिक को छोड़कर पर्यावरण-अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रमों में नागरिकों और उद्योग जगत की भागीदारी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता दिखाई। सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छ, हरित और सतत भविष्य के निर्माण के लिए पर्यावरण और जल संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया।

नाली अवरुद्ध होने से सड़क पर फैला गंदा पानी, बड़ कॉलोनीवासियों ने पालिका से लगाई गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । नगर पालिका क्षेत्र की बड़ कॉलोनी में सार्वजनिक नाली अवरुद्ध होने से गंदे पानी की निकासी ठप पड़ गई है, जिससे सड़क पर जलभराव और गंदगी की समस्या गंभीर हो गई है। परेशान कॉलोनीवासियों ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल समाधान की मांग की है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नाली में मिट्टी, कंकड़ और कट्टे डाल दिए जाने से पानी का बहाव रुक गया है। इसके कारण गटर का दूषित पानी और कीचड़ सड़क पर फैल रहा है। सड़क पर फैली बदबू और गंदगी से आमजन का निकलना मुश्किल हो गया है। लोगों का कहना है कि उन्हें मुंह पर कपड़ा रखकर रास्ते से गुजरना पड़ रहा है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि यह मार्ग एक सरकारी और एक निजी अस्पताल से जुड़ा हुआ है, जहां दिनभर मरीजों और उनके परिजनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क पर जमा गंदा पानी और कीचड़ जनस्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार प्रयास किए गए, लेकिन समाधान नहीं निकला। बरसात का मौसम नजदीक होने से लोगों की चिंता और बढ़ गई है।

सर्व समाज के तत्वावधान में भागवत कथा महोत्सव का आगाज

आश्रम परिसर में आज प्रातः 10.15 बजे होगी समाधि,लक्ष्मणगढ़ के बाजार रहेंगे आधा दिन बंद

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

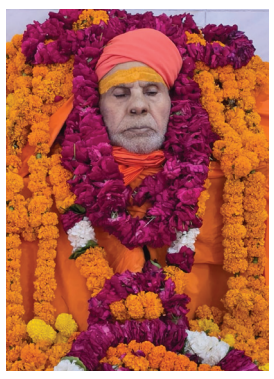

बाबूलाल सैनी । प्रख्यात कर्मयोगी संत, श्री श्रद्धानाथ जी आश्रम के पीठाधीश्वर एवं पद्मश्री अवार्ड से सम्मानित श्री बैजनाथ जी महाराज 5 जून शुक्रवार को ब्रह्मलीन हो गए। महाराजश्री के ब्रह्मलीन होने का समाचार मिलते ही पूरे शेखावाटी क्षेत्र में शोक छा गया। उनके अनुयायी एवं सेवक बड़ी संख्या में उनके अंतिम दर्शनों के लिए आश्रम में उमड़ पड़े। महाराज के पार्थिव शरीर, जिसे आध्यात्मिक भाषा में शिव तनु कहा जाता है, को आश्रम परिसर में दर्शनार्थ विराजमान किया गया है, जहां हजारों दर्शनार्थियों ने पुष्पार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।बैजनाथ जी महाराज के उत्तराधिकारी शिष्य प्रकाशनाथ महाराज ने बताया कि महाराज को शनिवार 6 जून को प्रातः 10:15 बजे आश्रम परिसर में समाधि दी जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्र के साधु संत एवं श्रद्धालु उपस्थित होंगे।उल्लेखनीय है कि महाराज श्री को अध्यात्म, योग और वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में निःस्वार्थ जीवनपर्यंत सेवा के लिए पिछले वर्ष ही भारत सरकार द्वारा देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान पद्मश्री से नवाजा गया था।

महाराज श्री के ब्रह्मलीन होने से शेखावाटी ने एक सच्चा संत खो दिया है। संत श्री बैजनाथ जी महाराज का जन्म 12 जून 1935 को सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ तहसील के पनलावा ग्राम में पिता पंडित झाबरमल शर्मा एवं माता सरस्वती देवी के यहां हुआ। मात्र छह वर्ष की आयु में ही इनका नामकरण स्वयं श्री श्रद्धानाथजी महाराज ने कर दिया था और उसी समय इन्हें अपना शिष्य भी स्वीकार कर लिया था। बचपन से ही इनको श्री श्रद्धानाथ जी महाराज ने अपने सानिध्य एवं देखरेख में रखकर धर्म, कर्म एवं योग की शिक्षा दी। बैजनाथ जी महाराज ने एमए बीएड करके सन् 1960 में ग्राम भारती विद्यापीठ कोठयारी का प्राचार्य पद संभाला। मात्र 25 छात्रों के साथ प्रारम्भ हुई इस स्कूल में छात्र संख्या बहुत अल्प समय में 1100 तक पहुंच गई। महाराज श्री का संपूर्ण जीवन नई पीढ़ी को संस्कारित शिक्षा देने के लिए समर्पित रहा। श्री बैजनाथ जी महाराज ने जो विद्यार्थी तैयार किए, वे सीविल सेवा, न्यायिक सेवा, पुलिस सेवा, सेना, राजनीति, खेल, शिक्षा जगत, उद्योग जगत, चिकित्सा सेवा एवं व्यापारिक क्षेत्रों में बुलंदियों तक पहुंचे। सन 1985 में श्री श्रद्धानाथ जी महाराज के आदेश पर इन्होंने आश्रम का कार्यभार संभाल लिया। श्री श्रद्धानाथ जी महाराज ने इनको विधिवत शिक्षा दीक्षा देकर उत्तराधिकारी भी बना दिया।इनके द्वारा करवाए गए निर्माण कार्यों में समाधि मंदिर, गोरखनाथ मंदिर, मत्स्येंद्रनाथ मंदिर, श्रद्धा स्मृति मंदिर, श्रद्धा संस्कृत विद्यापीठ योग संस्थान, प्रज्ञान मंदिर तथा शिव साधना आश्रम माउंट आबू प्रमुख हैं। लक्ष्मणगढ़ व्यापार संघ ने महाराजश्री के ब्रह्मलीन होने पर सम्मान स्वरूप लक्षमनगढ के सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को शनिवार 6 जून को दोपहर 02 बजे तक बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेषलं मीडिया की सुर्खियों से कम नहीं होगा प्रदूषण

भीम प्रज्ञा न्यूज.बड़ागांव।

सुमेर मीणा । पाँच जून को पूरे विश्व में पर्यावरण दिवस मनाये जाने की खाना पूर्ति की गई। क्या सरकारी क्या प्राइवेट सेक्टर सभी में प्रदूषण कम करने के कागजी घोड़े दौड़ाये जाएँगे असल में जीरो ग्राउण्ड पर प्रयास नहीं करेंगे तब तक प्रदूषण कम नहीं होगा । साल दर साल पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है पहाड़ दरक रहे हैं ग्लेशियर सिमटते जा रहे हैं जंगलों पहाड़ों पर आग अपना तांडव मचा रही है कहीं बादल फट रहे हैं कहीं नहरों नदियों में पशुओं व मानव की लाशें बह रही हैं एवरेष्ट को भी अछूता नहीं छोड़ा वहाँ भी प्लास्टिक कचरे के ढेर लगे हैं। यह भयावह स्थिति एक साल में पैदा नहीं हुई सैंकड़ों सालों से इस डेंजर पॉइंट की ओर हम बढ़ते रहे हैं यदि साल दर साल पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के प्रयास करते जाते तो विश्व आज प्रदूषण रूपी बम के मुहाने पर बैठा नहीं होता ।हमने जंगलों को नहीं छोड़ा कारखानों मिलो का विषैला अपशिष्ट सीवर का गन्दा पानी नदियों में डाल कर जलजीवों पर कहर ढाया। प्लास्टिक कचरे के पहाड़ के पहाड़ सैंकड़ो हेक्टर जमीन पर खड़े कर दिए निराश्रित पशु उसे खाकर अपनी जान दे रहे हैं ।तेल चालित वाहनों के प्रदूषण से सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है ।

अब भी समय है यदि प्रत्येक व्यक्ति प्रदूषण बचाने का संकल्प ले धरातल पर कार्य करे तो काफ़ी हद तक राहत मिल सकती है ।अपने या अपने परिजनों के जन्म दिन पुण्यतिथि वैवाहिक वर्षगांठ पर एक पेड़ लगाये और उसकी परवरिश की जाए,प्लास्टिक थैलियों कप गिलास व सिंगल यूज़ से तौबा करें उत्सवों पर ध्वनि प्रदूषण नहीं फैलाएं सीवर के गंदे पानी को ट्रीटमेंट प्लांट के द्वारा साफ़ कर सिंचाई में काम लें तेल से चलने वाले वाहनों के स्थान पर वैकल्पिक वाहन काम में लें सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें मेडिकल वेस्ट का उचित निपटान करें घर का गंदा पानी सोखता गड्ढे में डालें खुले में शौच न करें पराली का निस्तारण सही तरीके से करें बिजली बनाने के लिए सौर पैनल पवन ऊर्जा का उपयोग करें तो निश्चित रूप से वातावरण शुद्ध होने में योगदान मिलेगा ।

राज्यसभा उम्मीदवारों की घोषणा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई खुशी, लड्डू बांटकर किया स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा राजस्थान से सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर शुक्रवार को बुहाना नगर पालिका परिसर में खुशी का माहौल रहा। पूर्व सांसद संतोष अहलावत के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर और मिठाई बांटकर पार्टी नेतृत्व का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व सांसद संतोष अहलावत ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने संगठन के समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ताओं को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाकर कार्यकर्ताओं का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि सतीश पूनिया और अलका गुर्जर का राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में लंबा अनुभव रहा है, जिसका लाभ राज्य और देश को मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दोनों उम्मीदवार राज्यसभा में राजस्थान की जनता की आवाज को मजबूती से उठाएंगे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निर्णय का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन को मजबूत करने वाला निर्णय बताते हुए उत्साह प्रकट किया।

इस मौके पर विकास अधिकारी अशोक कुमार, सीबीईओ वेदप्रकाश रांगेय, नगर पालिका ईओ सुरेन्द्र कुमार, भाजपा नेता विकास भालोठिया, समाजसेवी भरत बोहरा, पूर्व उपप्रधान राजपाल सिंह तंवर, चेयरमैन दशरथ तंवर, विकास शर्मा लोटिया, कृष्ण खान्दवा, अनिल नाड़ियां सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण और एक-दूसरे को बधाई देने के साथ हुआ।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर के छात्र अंश ने जेईई एडवांस में किया शानदार प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर/नारनौल।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल, खेतड़ी रोड, निजामपुर के प्रतिभाशाली छात्र अंश पुत्र अशोक कुमार निवासी नारनौल ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अपने परिवार तथा पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। अंश की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

विद्यालय के चेयरमैन डॉ. एडवोकेट राजकुमार यादव एवं चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने संयुक्त रूप से अंश को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प एवं निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि अंश ने यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और समर्पण के साथ किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अंश के माता-पिता तथा शिक्षकों को भी इस सफलता के लिए बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह ने कहा कि अंश शुरू से ही एक मेधावी, अनुशासित एवं परिश्रमी छात्र रहा है। उसकी सफलता विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन और उसकी अथक मेहनत का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि अंश की यह उपलब्धि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी तथा उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर विद्यालय के उपप्रचार्य प्रवीण कुमार शर्मा सहित समस्त शिक्षकों ने अंश और उसके परिवार को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि अंश आगे भी अपनी प्रतिभा के बल पर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर क्षेत्र, प्रदेश और देश का नाम रोशन करेगा। संस्था के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव तथा निदेशिका डॉ. रविन्द्रा यादव ने अंश को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

सोमनाथ धाम के लिए 8 जून को कुरुक्षेत्र से रवाना होगी विशेष ट्रेन: पूर्व विधायक दुड़ाराम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी, 6 जून तक करवा सकते हैं अपना पंजीकरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद?।

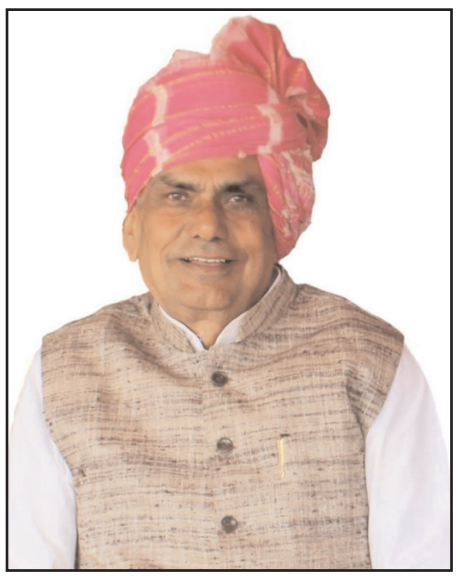

रजत विजय रंगा । हरियाणा के पूर्व संसदीय सचिव एवं फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के पात्र वृद्धजन लाभार्थियों को गुजरात स्थित पवित्र सोमनाथ मंदिर के निशुल्क दर्शन करवाने के उद्देश्य से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर 8 जून को कुरुक्षेत्र से सोमनाथ के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इस विशेष ट्रेन को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में शामिल होने के इच्छुक पात्र लाभार्थी 06 जून तक सरल पोर्टल डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सरल हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस यात्रा के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं, इसलिए पात्र नागरिक समय रहते आवेदन करना सुनिश्चित करें। फतेहाबाद के पूर्व विधायक दुड़ाराम ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। साथ ही लाभार्थी हरियाणा का मूल निवासी हो तथा उसकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम होनी चाहिए। यात्रा के दौरान सभी लाभार्थियों को अपना मेडिकल सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा। लाभार्थियों का चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत जो वृद्धजन पिछले 3 वर्ष के अंदर इस योजना का लाभ ले चुके हैं। वह इस योजना के तहत सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर जाने के पात्र नहीं होंगे। अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इच्छुक नागरिक लघु सचिवालय स्थित जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय (डीआईपीआरओ) में संपर्क कर सकते हैं।

भक्तों के श्राप अथवा वरदानों को सत्य करने के लिए भगवान धारण करते है अवतार- पंडित तिवाड़ी

राम विवाह एवं श्रीकृष्ण जन्म की सजीव झांकी रही आकर्षण का केन्द्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

भगवान के पृथ्वी पर अवतार धारण करने के अनेक कारण होते है जिसमें सबसे प्रमुख कारण है धर्म की स्थापना करना। भगवान ने स्वयं कहा है की ज़ब - ज़ब धर्म की हानि होती है तब- तब धर्म की पुनः स्थापना के लिए मै अवतार धारण करता हूँ। इसके अलावा अपने दिये वरदानों को सत्य करने अपने भक्तों के श्राप अथवा वरदानों को सत्य करने के लिए भी भगवान अवतार धारण करते है। उक्त विवेचना कथा व्यास वाणी भूषण प्रभुशरण तिवाड़ी ने सेहिकलां के नेत दादा मंदिर परिसर में पवित्र पुरुषोत्तम मास के अवसर पर चल रही चल रहीं श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के अवसर पर की। तिवाड़ी ने भगवान श्रीराम के चरित्र को भी विस्तार से बताया तथा आह्वान किया की सभी जन मर्यादा पुरुषोत्तम के चरित्र को अपने जीवन मे उतारने का प्रयत्न करें। कथा मे भक्त राजा अंबरीश की कथा, गंगा अवतरण की कथा का भी सुन्दर वर्णन किया गया। कथा में सजाई गयी राम विवाह एवं श्रीकृष्ण जन्म की सजीव झांकी ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कथा में सुंदर भजनों की प्रस्तुति सराहनीय रही। कथा से पूर्व यजमान दीनदयाल शर्मा ने सपत्नीक भागवत व व्यास पूजन किया। कथा में डॉ जगदीश प्रसाद शर्मा, पूर्व सरपंच शीशराम गोस्वामी, हजारीलाल शर्मा, राजेंद्र सिंह शेखावत, मातुराम महरिया, संजय भगत, नत्थुराम शर्मा, जितेंद्र जांगीड., ब्रह्मानंद पुनिया, रतनलाल शर्मा, अरविन्द शर्मा संजय भगत, सीताराम शर्मा, अशोक शर्मा, संतोष सिंह शेखावत,ओमप्रकाश महरिया, विक्रम शर्मा, करनसिंह शेखावत, राकेश पुनिया, सत्यनारायण कुमावत, प्रमोद भगत, होशियारी लाल शर्मा, गजानन्द शर्मा,अनिल शर्मा, धरमसिंह शेखावत,रवि कुमावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे मौजूद रहे।

एसडीजेएम हर्ष कुमार सिंह व सीजेजेडी तन्वी गर्ग ने पौधरोपण कर दिया संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस पर न्यायिक परिसर टोहाना में किया गया पौधारोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर स्थानीय न्यायिक परिसर, टोहाना में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर सब-डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हर्ष कुमार सिंह और सिविल जज (जूनियर डिवीजन) तन्वी गर्ग ने न्यायिक परिसर में पौधे लगाकर समाज को पर्यावरण संरक्षण का एक सकारात्मक और सशक्त संदेश दिया। सब-डिविजनल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हर्ष कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हम सभी का परम नैतिक और सामाजिक दायित्व है। प्राकृतिक असंतुलन और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि शुद्ध और स्वच्छ पर्यावरण ही एक स्वस्थ एवं सुरक्षित मानव जीवन की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को प्रकृति के संवर्धन में अपना निस्वार्थ योगदान देना चाहिए।

सिविल जज (जूनियर डिवीजन) तन्वी गर्ग ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें प्रकृति के प्रति हमारे कर्तव्यों का निरंतर स्मरण कराता है। हमारा दायित्व केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनके पूर्ण रूप से विकसित होने तक उनकी उचित देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त वातावरण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए हमारी सबसे बहुमूल्य धरोहर होगी। इस अवसर पर न्यायिक परिसर के अन्य अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं न्यायालय के कर्मचारी भी उपस्थित रहे तथा सभी ने मिलकर न्यायालय परिसर को स्वच्छ और हरित बनाए रखने का संकल्प लिया।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण; प्रकृति संरक्षण का दिया संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस पर गांव मदुवाना में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गांव मदुवाना में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसडीएम आकाश शर्मा ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर पौधरोपण किया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से पौधारोपण किया और भविष्य में पर्यावरण को संरक्षित रखने का संकल्प लिया। एसडीएम आकाश शर्मा ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर संदेश देते हुए कहा कि प्रकृति के साथ हमारा जुड़ाव केवल एक दिन के औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें हम सभी को अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी परंतु सार्थक भूमिकाओं का निर्वहन करना होगा। उन्होंने कहा जब हम एक पौधा लगाते हैं, तो हम वास्तव में केवल हरियाली नहीं बढ़ा रहे होते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन की नींव को सुदृढ़ कर रहे होते हैं।एसडीएम ने नागरिकों से जिम्मेदारी का आह्वान किया कि वे वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसके वृक्ष बनने तक उसकी पूर्ण देखभाल सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा लगाए गए पौधे जब विशाल वृक्ष का रूप लेते हैं, तभी वे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन, शीतल छाँव और जैव-विविधता का आधार प्रदान कर पाते हैं। हर दिन हमें पर्यावरण के प्रति सजग रहकर सक्रिय प्रयास करने चाहिए, ताकि एक स्वच्छ और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।प्रदूषण नियंत्रण विभाग एसडीओ दीपक कुमार ने नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं पॉलीथीन का उपयोग पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुका है। प्लास्टिक प्रदूषण न केवल मिट्टी की उर्वरता और जल स्रोतों को नुकसान पहुँचा रहा है, बल्कि इसके हानिकारक प्रभाव मानव जीवन पर भी पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए समय की मांग है कि हम प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पादों का उपयोग पूरी तरह बंद करें और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाएँ। साथ ही उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं जागरूक बनें तथा अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी सिंगल यूज़ प्लास्टिक एवं पॉलीथीन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर इसके उपयोग को रोकने में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। इस अवसर पर वन विभाग से सुरेन्द्र दरोगा, गोविन्द, रामकुमार दरोगा सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने एसडीएम के साथ मिलकर परिसर में पौधरोपण किया और पर्यावरण को स्वच्छ, सुंदर एवं संतुलित बनाए रखने का सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए जिला न्यायालय में वृक्षारोपण अभियान का आगाज

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । दीपक अग्रवाल, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा पर्यावरण को हरा भरा रखने, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और शुद्ध हवा की आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य घटते हुए हरित आवरण को बढ़ाना और जन मानस में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना था।इस कार्यक्रम के तहत न्यायालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के छायादार फलदार और औषधीय पौधे जैसे नीम, पीपल, बरगद, अमरुद, आम लगाए गए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पौधारोपण का यह कार्यक्रम केवल विश्व पर्यावरण दिवस तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि वर्ष भर पेड़, पानी, प्लास्टिक और प्रदूषण जैसे मुद्दों पर जमीनी और वैचारिक कार्यवाही होती रहनी चाहिए। पर्यावरणीय चेतना केवल औपचारिकता नहीं बल्कि यह जीवन शैली का हिस्सा बनना चाहिए। पर्यावरण की रक्षा केवल सरकारी प्रयासों या संस्थागत नीतियों से नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक के संकल्प से संभव है। इस अवसर पर उपस्थित नवेंदु जैन, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गायत्री सिविल जज सीनियर डिवीजन, डॉ. मधुर बजाज मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, जोगिंदर जांगड़ा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ने भी पौधे रोपित किए। पौधारोपण करते समय सुयशा जावा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण ने कहा कि धरती हमारी माता है और उसका संरक्षण हमारा धर्म हमें इस मूल भावना को अपनाना चाहिए। जब हर पौधा पेड़ बनेगा और हर व्यक्ति उसके संरक्षण में योगदान देगा तभी पर्यावरण दिवस की सार्थकता सिद्ध होगी और वास्तविक परिवर्तन आएगा।

महुखुर्द के 38 परिवारों पर बेघर होने का संकट, प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । ग्राम महुखुर्द के 38 परिवारों पर बेघर होने का खतरा मंडरा रहा है। मकान हटाने एवं भूमि खाली करने के नोटिस मिलने के बाद ग्रामीण शुक्रवार को उपखंड कार्यालय मंडावर पहुंचे और नायब तहसीलदार वैभव सेठी को ज्ञापन सौंपकर बेदखली कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि वे कई दशकों से उक्त क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। उनके पास ग्राम पंचायत के पट्टे, विद्युत कनेक्शन, बिजली बिल, मतदाता सूची में नाम सहित कई दस्तावेज मौजूद हैं, जो उनके स्थायी निवास का प्रमाण हैं। इसके बावजूद नोटिस मिलने से परिवारों में भय और असमंजस का माहौल है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने मांग की कि संबंधित क्षेत्र की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक बसावट को राजस्व अभिलेखों में 'पुरानी आबादी' अथवा 'आबादी क्षेत्र' के रूप में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि बिना पूर्ण जांच और सुनवाई के किसी भी परिवार को बेदखल करना न्यायसंगत नहीं होगा।ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रकरण के अंतिम निस्तारण तक किसी भी प्रकार की निष्कासन कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व उपसरपंच सीताराम महावर, राधाकिशन मीना, बद्री प्रसाद महावर, बिजेंद्र कोली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन संवेदनशीलता के साथ मामले का समाधान करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026: पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का अवसर: ईश्वर बोस्ती

गांव बोस्ती में समाज सेवी व नंबरदार जय प्रकाश जेपी ने उपस्थित युवाओं को पर्यावरण सम्बन्धी जानकारी की साझा

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

विजय रंगा । आज 5 जून को पूरे विश्व मे विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है । यह दिन पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए समर्पित है। इसकी शुरुआत वर्ष 1972 में यूनाइटेड नेशन्स द्वारा आयोजित यूनाइटेड नेशन्स कोनफरेस इन दी हुमेन इनवायरनमेंट के बाद की गई थी और 1973 से इसे प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। प्रधान जीव रक्षा पर्यावरण समिति ईश्वर बोस्ती ने अपने जन्मदिन पर बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य लोगों, समुदायों, संस्थानों और सरकारों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना है। बढ़ते प्रदूषण, वनों की कटाई, जल संकट, जैव विविधता में कमी और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं ने पूरी दुनिया के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे में यह दिवस प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराता है।

इस अवसर पर विभिन्न देशों में वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता कार्यक्रम, जागरूकता रैलियां, संगोष्ठियां, पर्यावरण विषयक प्रतियोगिताएं और जनभागीदारी के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संगठनों और सरकारी संस्थानों द्वारा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया जाता है। ईश्वर बोस्ती ने बताया कि विशेषज्ञों का मानना है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। प्लास्टिक का कम उपयोग, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। ईश्वर बोस्ती ने अपने जन्मदिन पर पोधारोपन कर प्रेरित कर बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह संदेश देता है कि पृथ्वी और प्रकृति के संरक्षण के बिना मानव जीवन का अस्तित्व संभव नहीं है।

अश्विन को उम्मीद, अफगानिस्तान के खिलाफ हर्ष को मिलेगा डेब्यू का अवसर

चेन्नई । दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को उम्मीद है कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से मुल्लांपुर में शुरू हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में बाएं हाथ के युवा स्पिनर हर्ष दुबे को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी। अश्विन के अनुसार पिछले कुछ समय में हर्ष ने घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है। इसके अलावा अश्विन को उम्मीद है कि शुभमन गिल की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी। अश्विन के अनुसार जिस प्रकार से शुभमन ने अब तक बल्लेबाजी की है उससे मुझे उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। अश्विन ने कहा, हालांकि मेरी नजरें हर्ष पर टिकी हुई हैं और मैं यह जानने के लिए बेहद उत्सुक हूँ कि उन्हें इस बड़े प्रारूप में अवसर मिलता है या नहीं। गौरतलब है कि टीम प्रबंधन को मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच किसी एक को चुनना होगा पर हर्ष ने जिस प्रकार से पिछले कुछ समय से घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उससे मेरा मानना है कि उसे ही अवसर मिलना चाहिये। अश्विन ने इस स्पिनर के आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को भी एक कारण बताया है। अश्विन के अनुसार वह हर्ष को भारतीय टेस्ट कैप पहने देखना चाहते हैं। साथ ही कहा ये स्पिनर टीम में जगह का अधिकारी है।

लॉर्ड्स टेस्ट- ओली रॉबिन्सन ने इंग्लैंड को पहली पारी में दिलाई बढ़त, न्यूजीलैंड पिछड़ी

लॉर्ड्स।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 27 रन की अहम बढ़त मिली है। न्यूजीलैंड को पहली पारी में 113 रन पर समेटने में इंग्लैंड के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन का अहम योगदान रहा। रॉबिन्सन ने 10.5 ओवर में 39 रन देकर 5 विकेट लिए। इसके अलावा, जोश टंग ने 10 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट लिए। गस एटकिंसन को 5 ओवर में 9 रन खर्च कर 2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पर गौर करें तो कीवी टीम पहली पारी में इंग्लैंड के गेंदबाजों का सामना मात्र 29.5 ओवर कर सकी और 113 रन पर सिमट गई। कीवी टीम के लिए नौवें नंबर पर आए काइल जैमिसन ने सर्वाधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन बनाए। नाथन स्मिथ ने 15 रन बनाए। न्यूजीलैंड के शीर्ष 6 बल्लेबाज सिर्फ 20 रन का योगदान दे सके। इसके पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम टेस्ट के पहले दिन की 140 रन पर सिमट गई थी। इंग्लैंड के लिए हैरी ब्रूक ने सर्वाधिक 56 रन बनाए थे। बेन डकेट 19 रन बनाकर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। इंग्लैंड के भी 6 बल्लेबाज 2 अंकों में नहीं पहुंच सके थे। न्यूजीलैंड के लिए काइल जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी की थी और 14 ओवर में 62 रन देकर 5 विकेट झटके थे।

नाथन स्मिथ ने 3 और विल ओरूर्के ने 2 विकेट लिए थे। टेस्ट मैच के पहले दिन (गुरुवार) और दूसरे दिन (शुक्रवार) के पहले सत्र में विकेटों का पतझड़ देखने को मिला है। दूसरे दिन के बचे दो सत्र में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहेगी।

एशिया कप अंडर-18 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के जीतने की अधिक संभावना पाक अधिकारी

लाहौर।

पाकिस्तान टीम के एक अधिकारी का मानना है कि एशिया अंडर-19 हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। दोनो देशों के बीच होने वाले सेमीफाइनल से पहले पाक अधिकारी ने ये बात कही है। इस अधिकारी का कहना है कि भारतीय टीम की तैयारियों उससे बेहतर हैं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास उसने कही बेहतर सुविधाएं हैं। इस टूर्नोमेंट पाक टीम ने अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में चीन को 5-2 से जबकि भारतीय टीम ने कजाकिस्तान को 13-0 से हराया। इससे अंदाज होता है कि भारतीय टीम कितनी अधिक हावी है। इसके अलावा भारतीय टीम ने दक्षिण कोरिया की मजबूत टीम को भी 4-1 से हराया था। टूर्नामेंट में मेजबान जापान ने भी दमदार प्रदर्शन किया है। जापान ने भारत, चीनी

इस पाक अधिकारी का मानना है कि टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की तैयारी काफी अधिक अच्छी थी, क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलियनई जूनियर टीम से हाल में पांच मैच खेले थे और इसके बाद यूरोप का भी दौरा किया था। वहीं हमारी टीम के खिलाड़ी पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरे हैं। इसके अलावा दोनो की ट्रेनिंग के स्तर में भी अंतर हैं।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयर अय्यर बनेंगे भारतीय टी20 टीम के कप्तान

तिलक को मिलेगी उपकप्तानी

मुम्बई।

बल्लेबाज श्रेयस अय्यर अब भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गत दिवस भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की एपेक्स कमेटी की बैठक में श्रेयस को कप्तान बनाने पर अंतिम फैसला हो गया। श्रेयस को शनिवार को सूर्यकुमार यादव की जगह पर कप्तान बनाये जाने की घोषणा होगी। अय्यर शनिवार को बीसीसीआई की चयन बैठक में शामिल होंगे। इसमें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम के साथ-साथ एशियाई खेलों के लिए भी टीम चयन होगा। ध्यान रहे कि श्रेयस ने अंतिम बार दिसंबर 2023 में बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की ओर से 498 रन बनाये थे। भारतीय टीम का लक्ष्य अब आयरलैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उसे आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलने हैं। इसके बाद टीम इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। आयरलैंड के खिलाफ पहला टी20 मैच 26 जून को और दूसरा 28 जून को खेला जाएगा.एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई चयन समिति के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाने तैयार है।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का फ्रेंच ओपन टेनिस के फाइनल में पहुंची

खिताबी मुकाबले में एंड्रीवा का सामना करेंगी

पेरिस ।

पोलैंड की माजा च्वालिंस्का ने फ्रेंच ओपन टेनिस 2026 के फाइनल में पहुंच गयी हैं। च्वालिंस्का ने इसी के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इसी के साथ ही वह किसी ग्रैंड स्लैम के खिताब मुकाबले में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर खिलाड़ी बन गयी हैं। च्वालिंस्का ने महिला एकल सेमीफाइनल में रूस की डायना श्नाइडर को दो घंटे से अधिक समय तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में सीधे सेटों में 7-6(4), 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी। च्वालिंस्का ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल नौ मैच जीते हैं। इनमें तीन मैच क्वालिफाइंग और छह मैच मुख्य ड्रॉ के हैं।

इस प्रकार वह ओपन युग में किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल तक पहुंचने वाली केवल दूसरी क्वालिफायर बनी हैं। इससे पहले, यह रिकार्ड ब्रिटेन की महिला टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू ने साल 2021 अमेरिकी ओपन में किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में च्वालिंस्का ने अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

जीत के बाद च्वालिंस्का बेहद उत्साहित दिखीं। अब फाइनल में

च्वालिंस्का का मुकाबला 8वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगी।

संक्षिप्त समाचार

ऋषभ का ध्यान अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना

उपकप्तानी से हटाये जाने से नाराज नहीं - टेन डोशेट

मोहाली ।

पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का ध्यान अब शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे एकमात्र क्रिकेट टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना है। ऋषभ इस मैच में लय हासिल कर आने आने वाली सीरीज के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना चाहेंगे। इससे पहले आईपीएल में वह कप्तानी और बल्लेबाजी दोनो में असफल रहे थे जिसके बाद उनको लखनऊ सुपरजायंट्स की कप्तानी से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद उन्हें टेस्ट टीम की उपकप्तानी से भी बाहर कर दिया गया है हालांकि वह इससे निराश नहीं हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में वह विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर ही उतरेंगे। वहीं इस मैच से पहले भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने कहा कि 28 साल के इस बल्लेबाज से चयनकर्ताओं से कोई समस्या नहीं है पर टीम प्रबंधन चाहता है कि वह अपनी बल्लेबाजी में पुरानी लय हासिल करें। डोशेट ने कहा, ÷लीडर बनने के लिए औपचारिक पद की जरूरत नहीं होती। हमें उनसे उम्मीद है कि वह अपनी बल्लेबाजी को हालातों के अनुसार ढालेंगे। उन्होंने उपकप्तानी से हटाए जाने पर कोई शिकायत भी नहीं की है।÷इस क्रिकेटर ने टेस्ट उपकप्तानी के साथ-साथ लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में चोटिल शुभमन गिल के नहीं होने पर कप्तानी की थी। इस टेस्ट में भारतीय टीम को 408 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हाल ही में खत्म हुए आईपीएल में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी भी छोड़ दी थी क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सबसे नीचे 10 वें स्थान पर रही थी। टेस्ट क्रिकेट में हालांकि उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के अंत में इस बल्लेबाज ने कुछ जबरदस्त पारियां खेलीं. इसमें सिडनी में अर्धशतक भी शामिल है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में उन्होंने लीड्स टेस्ट में दोनों पारियों में शतक लगाये थे।

वैभव का आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए चयन तय

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बनेंगे

मुम्बई ।

15 साल के भारते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में चुना जाना तय नजर आ रहा है। वैभव ने पिछले कुछ समय में जैसी बल्लेबाजी की है। उससे उनको टीम से बाहर रखना संभव नजर नहीं आता। इंडियन प्रीमियर लीग वैभव ने सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप जीतकर अपने को साबित कर दिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनकर्ता शनिवार शनिवार को मुंबई में होने वाली बैठक में टीम चयन के दौरान ही उनके नाम पर भी मोहर लगा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें इन दोनों टीमों के लिए शामिल किया जाएगा। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, ÷वैभव को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिलने जा रहा है। चयनकर्ता 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और उसी साल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए टीम तैयार कर रहे हैं।÷वैभव ने आईपीएल से पहले अंडर 19 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वैभव बन सकते हैं सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय

मुम्बई।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम से डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति शनिवार को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी जाने वाली टी20 टीम में उन्हें शामिल कर सकती है। वैभव की उम्र 15 साल और 70 दिन है। वहीं भारतीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी तेंदुलकर हैं। उन्होंने 16 साल 205 दिन की उम्र में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में डेब्यू किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को नया कप्तान बना रहा है। वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 776 रन बनाए जिसमें स्ट्राइक रेट 237.30 का रहा था। जिसके बाद से ही उन्हें टी20 प्रारुप के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग तेज होने लगी थी। भारत 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगा, फिर 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड में पांच टी20 मैच होंगे। वैभव को आयरलैंड सीरीज के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। वहीं सबसे कम उम्र में अपने देश की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पाकिस्तान के हसन रजा नंबर एक पर हैं।

उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में केवल 14 साल और 227 दिन में जिम्बाब्वे के खिलाफ 1996 में डेब्यू किया था।

2007 टी20 विश्वकप खेलने से सचिन, द्रविड और गांगुली ने इंकार कर दिया था - ललित मोदी

मुम्बई । आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने खुलासा किया है कि साल 2007 में जब पहली बार आईपीएल शुरु हुआ था तो सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने उसमें खेलने से इंकार कर दिया था। इन लोगों ने इस प्रारुप को बेवकूफी बताया था। वहीं आज टी20 क्रिकेट इतना बड़ा खेल बन गया है कि इसके आगे टेस्ट और वनडे की चमक फीकी पड़ गई है।ललित मोदी के अनुसार टी20 विश्व कप 2007 से पहले भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर थी, जहां उन्हें तीन टेस्ट मैच और 7 एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी थी। इसके बाद टी20 विश्वकप शुरु होना था। तब इंग्लैंड दौरे के लिए राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली जैसे सीनियर स्टार टीम का हिस्सा थे।

इंग्लैंड न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में गेंदबाज रहे हावी, दिन भर में गिरे 16 विकेट

मेजबान टीम के 140 रनों के जवाब में कीवी टीम ने 61 रनों पर गंवाये 6 विकेट

लॉर्ड्स ।

यहां इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच लॉर्ड्स में शुरु हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन गेंदबाज हावी रहे। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दिन भर में कुल 16 विके गिरे। मैच में मेहमान न्यूजीलैंड टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम का पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंग्लैंड के बल्लेबाज कीवी टीम के तेज गेंदबाजों विशेषरुप से काइल जैमिसन के सामने टिक नहीं पाये और पूरी टीम अपनी पहली पारी मे 140 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। जैमिसन ने पांच विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी ढ़हा दी। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरी कीवी टीम का हाल तो इससे भी खराब रहा।

ओली रॉबिन्सन के सामने कीवी बल्लेबाज टिक नहीं पाये और दिन का खेल समाप्त होने के समय तक टीम ने पहली पारी में 61 रनों पर ही छह विकेट खो दिये। रॉबिन्सन ने शुरुआती ओवर में तीन विकेट लेकर न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे टीम स्टंप्स तक भी उबर नहीं सकी. न्यूजीलैंड ने दिन का खेल खत्म होने तक 61 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। इस प्रकार मेजबान इंग्लैंड टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 79 रन आगे है। अब देखना है कि कीवी बल्लेबाज दूसरे दिन रन बना पाते हैं या नहीं

कीवी कप्तान टॉम लैथम का पहले गेंदबाजी करने का फैसला बिल्कुल सही था। कीवी टीम के चारों तेज गेंदबाजों ने इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को कोई अवसर नहीं दिया। . जैमिसन ने पिच से मिल रही अतिरिक्त उछाल और सीम का पूरा फायदा उठाया। . इंग्लैंड की आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति पूरी तरह से विफल रही। टीम पहले 10 ओवरों में केवल 24 रन ही बना पायी। बेन डकेट ने 19, जैकब बेथेल ने 6 और जो रूट ने केवल 1 रन बनाया। मैच में बारिश से भी बाधा आई। इंग्लैंड की ओर से केवल हैरी ब्रूक ही टिक पाये। ब्रूक ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 56 रन बनाये।

फीफा विश्वकप के अभ्यास मुकाबले में कोटे डी आइवर ने फ्रांस को हराकर किया उलटफेर

इराक और स्पेन का मुकाबला बराबरी पर रहा

मैड्रिड ।

11 जून से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 के अभ्यास मुकाबले जारी हैं। पूर्व चैम्पियन फ्रांस को 2-1 से हराकर सनसनी फैला दी। वहीं इराक ने अपने से कही बेहतर टीम स्पेन को 1-1 की बराबरी पर रोककर सभी को हैरान कर दिया। वहीं स्वीडन और यूनान का मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। में स्पेन और इराक के मुकाबले की बात करें तो जहां स्पेनिश टीम कई बदलावों के साथ उतरी। वहीं इराक ने अपनी अनुभवी टीम उतारी। मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने हमले शुरु कर दिये। 16वें मिनट में ही फेरान टोरेस ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। वहीं 27वें मिनट में इराक ने एक गोली कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। ये गोल मर्चास डोस्की ने दागा। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर गोल करने में सफल नहीं हुईं। वहीं स्वीडन और यूनान के बीच खेला गया दूसरा अभ्यास मैच भी 2-2 से बराबरी पर रहा। दोनों ही टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। यूनान की ओर से कोस्टास सिमि कास ने 10वें मिनट में ही एक गोल कर पहला गोल दागा। इसके बाद स्वीडन की ओर से आर्सेनल के स्ट्राइकर विक्टर ग्योकेरेस ने डिफ्लेक्टेड फ्री-किक पर गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। स्वीडन की ओर से गुस्ताफ निल्सन ने मैच के 69वें मिनट में दूसरा गोल किया। वहीं इंजरी टाइम में जॉर्जोस मासौरास ने गोलदागकर यूनान को बराबरी पर ला दिया। वहीं ।

राहुल को व्यस्त कार्यक्रम के कारण किसी टीम ने नहीं खरीदा

मुम्बई ।

बल्लेबाज केएल राहुल को व्यस्त कार्यक्रम होने से किसी भी टीम ने महाराजा टी20 ट्रॉपी (केएससीए) टी20 लीग के लिए शामिल नहीं किया है। ये लीग , 20 जून से शुरु होने जा रही है। इस लीग के लिए राहुल पर भी सभी की नजरें लगीं थीं पर उन्हें किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। इसका कारण उनका उनकी बल्लेबाजी या फॉर्म नहीं बल्कि व्यस्त कार्यक्रम है। राहुल को शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ शुरु हो रहे टेस्ट मैच में खेलना है। इसके लिए उन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं टेस्ट मैच के बाद राहुल को अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। इसके बाद भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरे पर जाना है। ऐसे में लगातार खेलने जा रहे राहुल के पास किसी भी लीग में खेलने का समय नहीं है। इस कारण से वह केएससीए लीग से बाहर हैं और किसी टीम ने उनपर बोली नहीं लगायी। लीग के लिए राहुल और प्रसिद्ध कृष्णा दोनों के नाम सामने रखे गये थे। इसमें कृष्णा को मैसूर वॉरियर्स ने 2.6 लाख रुपये में खरीदा। राहुल ने हाल ही में हुए आईपीएल 2026 में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 मैचों में उन्होंने 45 से अधिक की औसत के साथ 593 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट काफी अच्छा रहा था। इस कारण केएससीए लीग के लिए उनकी अच्छी मांग थी।

मेयर को ईमेल से बम की धमकी, एमसीडी मुख्यालय में मचा हड़कंप ; तलाशी में नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दिल्ली और उसके आसपास के कुछ क्षेत्रों में विस्फोट होने का दावा किया था, इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। सुरक्षा बलों ने एमसीडी मुख्यालय, मेयर कार्यालय, भवन के कॉमन एरिया, पार्किंग परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की व्यापक तलाशी ली। कई घंटों तक चले सघन सर्च अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक सामग्री या खतरे से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और सुरक्षा व्यवस्था को अस्थायी रूप से और कड़ा किया गया। जांच पूरी होने के बाद स्थिति को सामान्य घोषित कर दिया गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तकनीकी और साइबर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं कि धमकी भरा संदेश देश के भीतर से भेजा गया या इसके लिए किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी वास्तविक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह शरारत, अफवाह फैलाने या सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचा जा रहा है।

अमेरिका में नीलाम हुआ चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ा दुर्लभ फर्नीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की विश्वप्रसिद्ध वास्तु और डिजाइन विरासत से जुड़ी मूल फर्नीचर वस्तुओं की अमेरिका में हुई नीलामी ने फिर संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विरासत संरक्षण के लिए सक्रिय एडवोकेट अजय जग्गा ने मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर नीलाम की गई वस्तुओं की जांच कराने का आग्रह किया है। जग्गा के अनुसार, अमेरिका के राइट ऑक्शन हाउस में आयोजित नीलामी की जानकारी उन्होंने पहले ही संबंधित मंत्रालयों को दे दी थी। इसके बावजूद चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ी सात दुर्लभ फर्नीचर वस्तुएं नीलाम कर दी गईं। ये सभी वस्तुएं प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन की गई थीं, जिनका चंडीगढ़ के निर्माण और डिजाइन इतिहास में विशेष महत्व माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, नीलामी में इन वस्तुओं की कुल बिक्री करीब 1.16 करोड़ रुपये में हुई। इनमें सबसे अधिक कीमत एक जोड़ी लाउंज चेयर को मिली, जो लगभग 37.80 लाख रुपये में बिकी। इन वस्तुओं को चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और डिजाइन विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। जग्गा ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से विरासत फर्नीचर गायब होकर विदेशी नीलामी घरों और निजी संग्रहकर्ताओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने मांग की है कि नीलाम की गई वस्तुओं के स्रोत और स्वामित्व की विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय दूतावासों को सतर्क किया जाए और चंडीगढ़ में मौजूद विरासत फर्नीचर को 'आर्ट ट्रेजर' घोषित कर विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। इस घटनाक्रम ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

मथुरा में आईआईटी गुरु गिरफ्तार, महिलाओं के शोषण और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में धर्म और अध्यात्म की आड़ में महिलाओं के कथित शोषण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने ओडिशा निवासी 29 वर्षीय अभिषेक मिश्रा को गिरफ्तार किया है, जो खुद को 卐आदिकर्ता नारायण दास卐 नाम से धार्मिक गुरु और कथावाचक के रूप में दिखाता था। उस पर महिलाओं को अपने प्रभाव में लेकर उनका यौन शोषण करने, आपत्तिजनक सामग्री के जरिए ब्लैकमेल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मिश्रा ने आईआईटी रुड़की से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। इसके बाद आरोपी ने मथुरा के राधाकुंज क्षेत्र में रहकर धार्मिक प्रवचन देना शुरू। आरोपी सोशल मीडिया और 'राधा कृपा अमृत' नामक यूट्यूब चैनल के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंच बनाई और खुद को आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित किया। लेकिन पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी सोशल मीडिया और धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए युवतियों से संपर्क करता था। पुलिस का आरोप है कि वह धीरे-धीरे उन्हें अपने प्रभाव में लेकर परिवार से दूरी बनाने के लिए प्रेरित करता और फिर अपने साथ रहने के लिए तैयार कर लेता था। बताया जा रहा है कि उसके ठिकाने पर एक समय कई युवक और युवतियां साथ रह रहे थे।

लखनऊ गैंगरेप का मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में पैर में लगी गोली

लखनऊ (एजेंसी)। ,उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मॉल कर्मचारी युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी उपदेश लोधी उर्फ गहना को देर रात हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान निगोहां क्षेत्र में उसकी घेराबंदी की गई, जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी घायल हुआ और गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, रामादेई खेड़ा मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान सर्विलांस टीम और पुलिस को आरोपी के आने की सूचना मिली थी। बताया गया कि उपदेश लोधी ऑटो से भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस को देखकर लोधी ने ऑटो भागने का प्रयास किया, लेकिन वाहन असंतुलित होकर पलट गया। इसके बाद आरोपी ने कथित रूप से पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान उसके पैर में गोली लगी और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया गया।

पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

–जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

जम्मू (एजेंसी)। आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन पर हाईकोर्ट की तत्काल सुनवाई से इंकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार किया है। याचिका में पुलिस को प्रदर्शन स्थल और आसपास के प्रवेश मार्गों पर विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

यह मामला तब चर्चा में आया है जब व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके भारत पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि वह शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से रवाना हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति लिए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सेव इंडिया फाउंडेशन की ओर से दायर याचिका का उल्लेख अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद प्रदर्शन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिपके ने मई में ऑनलाइन अभियान की शुरुआत की थी, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की। यह अभियान न्यायपालिका से जुड़ी टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था और देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवाओं का ध्यान आकर्षित करने लगा। संगठन ने हाल ही में अपने प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति की है और राजधानी में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

दिपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों से अपील की है कि वे दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित न हों। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने का प्रयास करने वाले है। इस बीच, प्रशासन संभावित भीड़ को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस और अन्य एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों का आकलन कर रही हैं। फिलहाल सभी की निगाहें शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

उमर की गोपनीय बैठक से बढ़ीं राजनीतिक चर्चाएं, विधायकों संग तय की आगे की रणनीति

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की गई विशेष बैठक ने प्रदेश की राजनीति में नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र को बैठक के लिए चुनने और वहां सीमित संचार सुविधा होने के कारण राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लग रहे हैं। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बैठक को सरकार और संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बताया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने, पार्टी के राजनीतिक एजेंडे और संगठन के भीतर उभर रही चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के मुद्दे पर विशेष जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने माना कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया था, उन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य के अधिकारों की बहाली को लेकर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की जरुरत है।

दीदी के नाम पर मलाई चाटने वाले नेता धोखेबाज निकले: महुआ

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ता हाथ से निकलने के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर छिड़ा आंतरिक कलह अब एक बड़े राजनीतिक संकट में तब्दील हो चुका है। पार्टी के बागी विधायकों के खेमे ने ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुन लिया है। इस बीच ममता बनर्जी को उस समय एक बड़ा झटका लगा, जब विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ बोस ने पार्टी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बंदोपाध्याय के नेतृत्व वाले 58 विधायकों के गुट को मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता दे दी। इस पूरे घटनाक्रम पर अब टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा का तीखा बयान सामने आया है, जिन्होंने बागी विधायकों पर बेहद कड़ा प्रहार किया है।सांसद महुआ मोइत्रा ने बागी गुट के नेताओं और ऋतब्रत बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं ने सालों तक ममता बनर्जी के नाम पर मलाई खाई, वही आज पार्टी की पीठ में छुरा घोंप रहे हैं।

महुआ ने साफ शब्दों में कहा कि इन नेताओं को सिर्फ सत्ता में बने रहने की आदत हो चुकी है, यही वजह है कि ये लोग विपक्ष में रहकर संघर्ष करने के बजाय अपने लिए एक सेफ रूट तलाश रहे हैं। बागी विधायकों को खरी-खोटी सुनाते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग किसी काम के नहीं हैं और पार्टी में रहकर सिर्फ

ममता दीदी के करिश्मे के भरोसे आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बागियों को चुनौती देते हुए कहा, जाना है तो आज ही जाइए। ऋतब्रत कांग्रेस में शामिल हो जाइए या जो मन आए वो करिए, लेकिन खुद को तृणमूल कांग्रेस कहने का अधिकार आपको बिल्कुल नहीं है। इस दौरान महुआ मोइत्रा ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की बड़ी साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे कभी तृणमूल के सिपाही हुआ करते थे, इसलिए उन्हें हर एक विधायक की कमजोरी अच्छी तरह पता है और भाजपा इसी का फायदा उठा रही है।

मोइत्रा ने दावा किया कि सबीना यास्मिन और जावेद खान जैसे नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों और गिरफ्तारी की धमकियां देकर डराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सबीना यास्मिन को मोताबारी हिंसा के मामले में एनआईए द्वारा पकड़े जाने का डर दिखाया गया, जबकि जावेद खान को इलाके में अवैध निर्माण के मामले में उनके बेटे सहित गिरफ्तार करने की धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि इन नेताओं में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद विपक्ष में बैठने की हिम्मत नहीं बची है।पार्टी के भीतर मचे इस भारी घमासान के बावजूद महुआ मोइत्रा ने भरोसा जताया कि टीएमसी बिखरने वाली नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ममता बनर्जी और उनका कोर ग्रुप ही असली पार्टी है और वे सभी मिलकर नए सिरे से शुरुआत करेंगे। चुनाव आयोग द्वारा बागी गुट को मान्यता दिए जाने और भविष्य में पार्टी सिंबल छिनने के खतरे पर मोइत्रा ने दृढ़ता से कहा, जब ममता बनर्जी ने कांग्रेस छोड़ी थी, तब उन्होंने सिर्फ एक पेन और कागज उठाकर खुद यह सिंबल बनाया था और जीत हासिल की थी। जो महिला खुद अपना सिंबल बनाकर चुनाव लड़ सकती है और तीन बार मुख्यमंत्री बन सकती है, वह दोबारा लड़कर नया सिंबल भी बना लेगी। हमें इसकी कोई परवाह नहीं है, वे कोई भी तस्वीर या सिंबल ले लें, लेकिन वे कभी भी असली तृणमूल कांग्रेस नहीं बन पाएंगे।

गडकरी के हाथों होगा एशिया की सबसे लंबी जोजिला सुरंग का शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 9 जून को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जोजिला सुरंग के शिलान्यास समारोह में शामिल हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर जोजिला दर्रे को काटकर बनाई जाने वाली यह सुरंग कश्मीर के गांदरबल जिले के बाल्टल को लद्दाख के कारगिल जिले के मीनामर्ग से जोड़ेगी।

यह 13.15 किलोमीटर लंबी सुरंग तीन घंटे से अधिक के सफर को घटाकर मात्र 15 मिनट का करेगी। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल स्वीकृत लागत 6,808.69 करोड़ है। पूरा होने पर, यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग होने के साथ-साथ 11,578 फीट की ऊंचाई पर

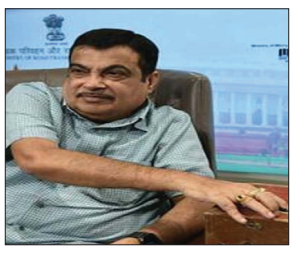

स्थित एशिया की सबसे लंबी द्विदिशात्मक सुरंग भी बनेगी। यह परियोजना श्रीनगर और लेह के बीच सर्व-मौसम संपर्क स्थापित करने की भारत की योजना के लिए केंद्रीय महत्व रखती है। इस सुरंग से लद्दाख क्षेत्र में तैनात बलों के लिए सैन्य गतिशीलता और रसद सहायता में उल्लेखनीय सुधार होगा, साथ ही यह क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा देगी। रणनीतिक दृष्टि से, यह नियंत्रण रेखा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट स्थित सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों और आपूर्ति की आवाजाही को भी तेज करेगी।

हालांकि, परियोजना ने अतीत में कई बाधाओं का सामना किया है। मई 2018 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, लेकिन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आईएल एंड एफएस) को मिला ठेका जनवरी 2019 में कंपनी के वित्तीय संकट के कारण रद्द हुआ था। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री गडकरी ने परियोजना को विशेषज्ञ समूह द्वारा समीक्षा के लिए भेजा, और रिपोर्ट को मंजूरी मिलने के बाद, जून 2020 में नए सिरे से बोलियां आमंत्रित की गईं। महामारी, पास के सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकवादी हमले और खराब मौसम जैसी चुनौतियों के कारण भी परियोजना की प्रगति प्रभावित हुई है। हालांकि, अधिकारी ने फरवरी 2028 की समय सीमा से पहले पहुंच मार्ग और वेंटिलेशन सिस्टम सहित पूरी सड़क परियोजना के चालू होने पर कोई अतिरिक्त जानकारी देने से इंकार किया।

बंगाल की बगावत से गदगद भाजपा, बदलेंगे संसद में समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष इस कदर बढ़ गया है कि पार्टी अब टूटने की कगार पर पहुंच गई है। टीएमसी के इस उभरते आंतरिक संकट ने न केवल राज्य की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी भी इसे राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि यदि टीएमसी में विभाजन होता है, तो इसका सबसे बड़ा राजनीतिक लाभ केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को संसद में मिल सकता है, जहां कई महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए अतिरिक्त संख्या बल की आवश्यकता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सत्ता हासिल करना ही एकमात्र लक्ष्य नहीं है, बल्कि असली ध्यान संसद में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। यदि टीएमसी का असंतुष्ट गुट अलग होकर नया समूह बनाता है, तो उसके सांसद राष्ट्रीय हितों से जुड़े मसलों पर एनडीए सरकार का समर्थन कर सकते हैं। टीएमसी के भीतर मतभेद उस समय खुलकर सामने आए जब कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए गए नेता रितब्रत बनर्जी ने पार्टी के 80 में से 58 विधायकों के समर्थन का दावा करते हुए विपक्ष के नेता पद पर अपना दावा ठोक दिया। बाद में उन्होंने इस संख्या के 60 तक होने की बात कही, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती है।

बीजेपी इस स्थिति की तुलना महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विभाजन से कर रही है, जिसने वहां राजनीतिक समीकरण बदल दिए थे। इसके साथ ही आम आदमी पार्टी (आप) में हुए हालिया घटनाक्रम का भी हवाला दिया जा रहा है, जहां राज्यसभा के कई सांसद अलग होकर सरकार के करीब आए। संसद में संख्या बल बढ़ाने की यह कवायद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल में लोकसभा सीटों के पुनर्निर्धारण और सदन की सदस्य संख्या 545 से बढ़ाकर 850 करने से संबंधित संविधान (131वां संशोधन) विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत न मिलने के कारण पारित नहीं हो सका था। इसके अलावा सरकार वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक को भी आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

इसी रणनीति के तहत भाजपा दक्षिण भारत में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के साथ भी संपर्क बढ़ाने की कोशिशों में जुटी है। गृह मंत्रालय परिसीमन विधेयक का ऐसा नया मसौदा तैयार कर रहा है, जिससे दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर किया जा सके। पूर्व में कांग्रेस, टीएमसी और डीएमके समेत पूरे विपक्षी गठबंधन ने एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध किया था। वर्तमान में टीएमसी के 28 और डीएमके के 22 सांसद हैं। यदि विपक्षी दलों में मतभेद उभरते हैं और टीएमसी का असंतुष्ट गुट एनडीए के पक्ष में आता है, तो सरकार के लिए संवैधानिक संशोधनों के लिए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत का लक्ष्य हासिल करना बेहद आसान हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहौर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग : प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

ट्रंप को क्या निर्देश : इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध : भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद : ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

यूक्रेन को सैन्य मदद: प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

वेपनाइजेशन' फंड का विरोध: राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगी: बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार : डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

कुवैत सिटी, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

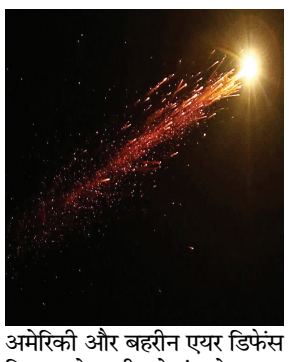

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं।

ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। स?िन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

पेंटागन, एजेंसी। अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

विधायकों ने की आपात बैठक : डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे : विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल : पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट : रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की : करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (ककक) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव : यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

सियोल पर किसने जीत हासिल की : हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई : चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

सबसे चर्चा में किसकी जीत रही : इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

बेकर्सफील्ड , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com